

مسلمان ماہوں بہنوں کی دینی تعلیم و تربیت کا **ماہی ضابطہ**

خواتین کا دینی سامعہ

اظہار فی شہرہ و پائش



اکابرین کی مستقیم و غیر مستقیم تعلیم و تربیت کا سامعہ

تالیف
مفتی ابوبکر شاہ اسماعیل

السبحان
0373-6384214

مسلمان ملوں دھنوں کی دینی تعلیم و تربیت کا عوامی حساب

خواتین کا دینی معلم

اکبری مشن کتب سے ونشیش انداز میں مرتب شدہ عام فہم مجموعہ

• تجوید • عقائد • مسئلہ ايمان

• مسائل • تربیت اولاد

مفتی ابوالسباب شاہ منصور

الصحید

خواتین کا دینی معلم

جملہ حقوق طباعت بحق مصنف محفوظ ہیں

مقام	خواتین کا دینی معلم
مصنف	فقہی بیابان شاہد منصور
تبعی سال	1428ھ - 2007ء
تبعی ورق	1429ھ - 2008ء
تبعی ورق	1430ھ - 2009ء
تبعی ورق	1431ھ - 2010ء
تبعی ورق	1432ھ - 2011ء
تبعی ورق	1433ھ - 2012ء
تبعی ورق	1434ھ - 2013ء

میں نے لکھا ہے

پاکستان کے تمام شہر و دیہاتوں میں دستیاب ہے

0313-5761214

فہرست

۱۶	انتخاب.....	۱۶
۱۷	پرتھی شامیت کا مقدمہ اللہ کی شان.....	۱۷
۱۹	پرتھی شامیت کا مقدمہ ایس مینڈریش.....	۱۹
۲۱	پرتھی شامیت کا مقدمہ.....	۲۱
	پہلا باب: مجموعہ	
۲۵	پرتھی ۱: مجموعہ جوائنٹ.....	۲۵
۲۶	پرتھی ۲: جوائنٹ.....	۲۶
۲۷	پرتھی ۳: جوائنٹ.....	۲۷
۲۹	پرتھی ۴: جوائنٹ.....	۲۹
۳۱	پرتھی ۵: جوائنٹ.....	۳۱
۳۲	پرتھی ۶: جوائنٹ.....	۳۲
۳۳	پرتھی ۷: جوائنٹ.....	۳۳
۳۵	پرتھی ۸: جوائنٹ.....	۳۵
۳۶	پرتھی ۹: جوائنٹ.....	۳۶
۳۷	پرتھی ۱۰: جوائنٹ.....	۳۷
۳۸	پرتھی ۱۱: جوائنٹ.....	۳۸

۳۹	سورۃ التین	۳۹
۴۰	سورۃ الفکر	۴۰
۴۱	سورۃ المناجید	۴۱
۴۲	سورۃ الشرح	۴۲
۴۳	سورۃ الفاتحہ	۴۳
۴۴	سورۃ الفلق	۴۴
۴۵	سورۃ الناس	۴۵
۴۶	سورۃ التیس	۴۶
۴۷	سورۃ الفجر	۴۷
۴۸	سورۃ الفلق	۴۸
۴۹	سورۃ الناس	۴۹
۵۰	سورۃ الفجر	۵۰

ادبیات و عقائد

۵۱	سورۃ الفجر	۵۱
۵۲	سورۃ الفجر	۵۲
۵۳	سورۃ الفجر	۵۳
۵۴	سورۃ الفجر	۵۴
۵۵	سورۃ الفجر	۵۵
۵۶	سورۃ الفجر	۵۶
۵۷	سورۃ الفجر	۵۷
۵۸	سورۃ الفجر	۵۸
۵۹	سورۃ الفجر	۵۹
۶۰	سورۃ الفجر	۶۰
۶۱	سورۃ الفجر	۶۱
۶۲	سورۃ الفجر	۶۲
۶۳	سورۃ الفجر	۶۳
۶۴	سورۃ الفجر	۶۴
۶۵	سورۃ الفجر	۶۵
۶۶	سورۃ الفجر	۶۶
۶۷	سورۃ الفجر	۶۷
۶۸	سورۃ الفجر	۶۸
۶۹	سورۃ الفجر	۶۹
۷۰	سورۃ الفجر	۷۰

- ۵۵ قیامت ۵۵
- ۵۷ زنت اور جہنم ۵۷
- ۵۷ اعتباری حجت کی بحث ۵۷

قمری باب مستون اعمال

- ۶۰ صبح اٹھتے وقت ۶۰
- ۶۲ مسواک کے متعلق سنتیں ۶۲
- ۶۲ نماز کے دوران ہونے والے عمل ۶۲
- ۶۲ اشارت کی نماز ۶۲
- ۶۵ تسبیح کا شمار ۶۵
- ۶۵ پشت کی نماز ۶۵
- ۶۵ مستون سات ۶۵
- ۶۶ نماز کی آفرینہ بات ۶۶
- ۶۹ چنے کی تسبیح ۶۹
- ۷۰ کھجور، انار، بونٹ، مکتوں کی تسبیح ۷۰
- ۷۰ رات کی تسبیح ۷۰
- ۷۲ مختلف سنتیں ۷۲

مستون دعا میں

- ۷۸ صبح کو پڑھنی ۷۸
- ۷۸ سورۃ نختہ وقت کی ۷۸
- ۷۸ شہر کو پڑھنے ۷۸
- ۷۹ حج، عمرہ میں ایک بار ۷۹
- ۷۹ سورۃ نختہ پڑھنے کی جگہ ۷۹

- ۱۵۰۔ حسب سوانح پیر محمد جاسہ ۸۵
- ۱۵۱۔ حسب کی مثال درمیان سختی میں حسب پیر محمد جاسہ کی موت ۸۵
- ۱۵۲۔ شوہر کو بھلی بار لکھنے ۸۵
- ۱۵۳۔ چینی کی رشتہ کے وقت ۸۵
- ۱۵۴۔ حسب بیٹی کی شادی کی ۸۵
- ۱۵۵۔ توفیق شکر کے لئے ۸۵
- ۱۵۶۔ اعمال کی پانی قہریت کے لئے ۸۵
- ۱۵۷۔ توفیق قہریت کے لئے ۸۶
- ۱۵۸۔ موت شدہ مال کی دیوان کی ۸۶
- ۱۵۹۔ اپنے والدین اور مرنے والوں کی ۸۶
- ۱۶۰۔ محنت کے لئے ۸۶
- ۱۶۱۔ یہاں سے ۸۶

چوتھا باب مسائل

- ۱۶۲۔ حسب دیان ۹۰
- ۱۶۳۔ حسب دیان کے لئے ۹۰
- ۱۶۴۔ قہریت ۱۰۰
- ۱۶۵۔ پانی کے معاملہ ۱۰۲
- ۱۶۶۔ جاوروں کے لئے ۱۰۵
- ۱۶۷۔ گیم کیان ۱۰۸
- ۱۶۸۔ اہمیت یا ۱۱۲
- ۱۶۹۔ محنت اور اہمیت ۱۱۸
- ۱۷۰۔ محنت کے لئے ۱۲۲

۱۲۵	۱۲۵	۱۲۵	۱۲۵
۱۲۶	۱۲۶	۱۲۶	۱۲۶
نماز			
۱۲۷	۱۲۷	۱۲۷	۱۲۷
۱۲۸	۱۲۸	۱۲۸	۱۲۸
۱۲۹	۱۲۹	۱۲۹	۱۲۹
۱۳۰	۱۳۰	۱۳۰	۱۳۰
۱۳۱	۱۳۱	۱۳۱	۱۳۱
۱۳۲	۱۳۲	۱۳۲	۱۳۲
۱۳۳	۱۳۳	۱۳۳	۱۳۳
۱۳۴	۱۳۴	۱۳۴	۱۳۴
۱۳۵	۱۳۵	۱۳۵	۱۳۵
۱۳۶	۱۳۶	۱۳۶	۱۳۶
۱۳۷	۱۳۷	۱۳۷	۱۳۷
۱۳۸	۱۳۸	۱۳۸	۱۳۸
۱۳۹	۱۳۹	۱۳۹	۱۳۹
۱۴۰	۱۴۰	۱۴۰	۱۴۰
۱۴۱	۱۴۱	۱۴۱	۱۴۱
۱۴۲	۱۴۲	۱۴۲	۱۴۲
۱۴۳	۱۴۳	۱۴۳	۱۴۳
۱۴۴	۱۴۴	۱۴۴	۱۴۴
۱۴۵	۱۴۵	۱۴۵	۱۴۵
۱۴۶	۱۴۶	۱۴۶	۱۴۶
۱۴۷	۱۴۷	۱۴۷	۱۴۷

۱۲۶	روزِ جمعہ اور اسی سے اٹھنا	۱۲۶
۱۲۷	تعدیل میں	۱۲۷
۱۲۸	سہ ماہی کے وقت	۱۲۸
۱۲۹	روزِ جمعہ سے	۱۲۹
۱۳۰	سہ ماہی کے وقت کی تہذیب و فرق	۱۳۰
۱۳۱	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۱
۱۳۲	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۲
۱۳۳	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۳
۱۳۴	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۴
۱۳۵	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۵
۱۳۶	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۶
۱۳۷	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۷
۱۳۸	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۸
۱۳۹	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۳۹
۱۴۰	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۰
۱۴۱	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۱
۱۴۲	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۲
۱۴۳	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۳
۱۴۴	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۴
۱۴۵	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۵
۱۴۶	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۶
۱۴۷	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۷
۱۴۸	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۸
۱۴۹	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۴۹
۱۵۰	نہایت میں تہذیب و فرق	۱۵۰

زکوة

۱۷۳	زکوة کا بیان	۱۷۳
۱۷۴	زکوة کا بیان	۱۷۴
۱۷۵	زکوة کا بیان	۱۷۵
۱۷۶	زکوة کا بیان	۱۷۶
۱۷۷	زکوة کا بیان	۱۷۷
۱۷۸	زکوة کا بیان	۱۷۸
۱۷۹	زکوة کا بیان	۱۷۹
۱۸۰	زکوة کا بیان	۱۸۰
۱۸۱	زکوة کا بیان	۱۸۱
۱۸۲	زکوة کا بیان	۱۸۲
۱۸۳	زکوة کا بیان	۱۸۳
۱۸۴	زکوة کا بیان	۱۸۴
۱۸۵	زکوة کا بیان	۱۸۵
۱۸۶	زکوة کا بیان	۱۸۶
۱۸۷	زکوة کا بیان	۱۸۷
۱۸۸	زکوة کا بیان	۱۸۸
۱۸۹	زکوة کا بیان	۱۸۹
۱۹۰	زکوة کا بیان	۱۹۰

[illegible]

7.

[illegible]

200

444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

حل و قراءه

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

لباس اور پردہ

- ۲۲۶ * لباس اور پردہ کے فائیدہ
 ۲۳۶ * پردہ
 ۲۳۶ * پردہ

خاترمالگیر

- ۲۴۰ * محبت سے فائدہ کیا ہے؟
 ۲۴۱ * تجلہ خشمیر کا پتہ

پانچواں باب: تربیت و کار

- ۲۴۵ * تربیت سے کیا مراد ہے؟
 ۲۴۵ (۱) خاص
 ۲۴۵ (۲) عمومی
 ۲۵۵ (۳) خاص
 ۲۴۵ (۴) عمومی
 ۲۴۶ (۵) خاص
 ۲۵۳ * تربیت کے اصول اور اصول
 ۲۴۴ ۱. تربیت کے اصول
 ۲۴۶ ۲. تربیت کے اصول
 ۲۵۰ ۳. تربیت کے اصول
 ۲۵۰ ۴. تربیت کے اصول
 ۲۵۶ ۵. تربیت کے اصول

- ۴۵۵ ۵. بیان کلیه اشیاء الهی
- ۴۵۶ تعلیمی مردم در کلیه امور دینی و دنیوی
- ۴۵۹ در خصوص احوال و اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۵۹ ۶. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۰ ۷. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۱ ۸. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۲ ۹. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۳ ۱۰. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۴ ۱۱. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۵ ۱۲. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۶ ۱۳. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۷ ۱۴. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۸ ۱۵. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۶۹ ۱۶. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۰ ۱۷. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۱ ۱۸. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۲ ۱۹. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۳ ۲۰. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۴ ۲۱. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی
- ۴۷۵ ۲۲. بیان کلیه اشیاء الهی و دنیوی

- (۱۶) بچوں کا مساجد اور چار مندر کی تعمیر کا حکم
۳۴۹
- (۱۸) سنیوں کی تعلیم کے لیے مدرسے کی کھلائی
۳۴۹
- (۱۹) تعلیم کے لیے
۳۴۷

انتساب

اس مشفق ہستی کے نام

جس کے قدموں تلے میری جنت ہے

اور

ان عظیم ماؤں بہنوں کے نام جن کی

مقدمت میں

حضرت مہدی رضی اللہ عنہ کے لشکر کے

جانباز تربیت پا کر اسلام کو پوری دنیا

میں غائب کریں گے

محنت مند مددگار

صحاب نے اس نئی سی سڑک پر دوڑا۔ ان میں سے ایک خواجہ میر تقی میر تھے۔
تکبیر پڑھ کر سرخائی ملاقات ملے۔ قاضی صاحب نے ان کو دیکھا۔ وہ بھی
سید تاج محمد بن محمد تھے۔ ایک کچھلے لباس میں سوئے ہوئے تھے۔ ترمیم کاٹا نہیں۔ تجرید سے جو
تعلیم بھی پائی ہو وہ چاہیں۔ وہی۔ کیا تربیت ہو۔ وہ جو صوفی تھے۔ دور دور
چاہئے۔ جو ان کی اعلیٰ تعلیم و تربیت کا حصہ ہے۔ ان کو "مریضہ کلا" کے شرعی اصولوں
پورے میں رہتے آگاہ لیا جائے۔ ان دنوں حکومتی پمپ لائنوں کے فائدہ ہوئے گا
آسان طور پر تیار کیا گیا۔ اس کا حکم حضرت مولانا انور حسین صاحب نے دیا۔ یہ مولانا
کی کتاب "اسلام اور تربیت" میں ہے۔ ان کے اسباب کا لگا۔ یہ کیا جو جو ان کی تربیتی
مذہبوں سے متعلق رہتے تھے۔ ان کی زبان ان کے انہیں بھی اس کتاب کا حصہ
عالمی کیا ہے۔ حضرت مولانا کی سرمیسہ کتاب کی مکمل شخصیت و سہولت بھی لیں۔ شاید ان کے
سے شائع ہو جائے۔ یہ دیکھ کر امید ہے کہ ان کی کتابیں سنائی دے۔ وہ ان کے لئے
آسان آجائے۔ ان کے حصہ ہو۔ "مفتی محمد تقی عثمان صاحب دامت برکاتہم
آسان تر ہو کر ان کے لئے آجائے۔

قورمیں سے جسوسی، خاکسب ورجو سمیت چھ کتابوں کی قیادت سے اپنے بھائی اور اس کی
نئی قیمت کے لیے بھائی اور مہم احمد تھیں۔

متن

جملہ کی "اوتی" - ۳۴

پیرچاپی اشاعت کا مقدمہ

پس منظر و پیش منظر

[illegible][illegible]

ہمارے دل میں ایک مسئلہ ہے کہ ہم نے اپنے خدا کو کس طرح جاننا ہے۔ یہ مسئلہ ہمیں ہمیشہ سے ہی رہا ہے۔ ہم نے اس مسئلہ کو کس طرح حل کیا ہے۔ یہ مسئلہ ہمیں ہمیشہ سے ہی رہا ہے۔

[illegible]

21. دوسرے باب میں ہم مرقیہ کا نام پڑے ہیں۔

۶۔ میرے بھائی سونے والے ایک چارے میں تھیں۔

۱۱) پادشہ نے اس سے لے کر عید تک اس کے نام پر مالک تیرے لیے بہت سے
چھوٹی چھوٹی جہازیں اور بڑی بڑی جہازیں بھی بھیج دیں۔

[illegible]

شرعہ سے کہ وہ اس طاعت کی جیسے متکبر و افسوس پہنچے، اُسے فی سبب ان کے
 نہ ہو، جو اس کی نیکی میں مریض ہو، کہ وہ ان میں سے جو کہ یہاں کی صورت
 و اس کے لیے تمہاری ہے وہ یہ کہ وہ یہاں کے لیے جو کہ یہاں کی صورت
 رستہ کے لیے جو کہ یہاں کے لیے جو کہ یہاں کی صورت

اسد بچہ پاٹھی اسکا - پ کے طریقے سے - سے سے

پہلا باب

تجوید

پہلا باب۔ تعجیب

۱۵	سورۃ الحجۃ	۱۵
۱۶	سورۃ الحجۃ (۱۵)	۱۶
۱۷	سورۃ الحجۃ (۱۶)	۱۷
۱۸	سورۃ الحجۃ (۱۷)	۱۸
۱۹	سورۃ الحجۃ (۱۸)	۱۹
۲۰	سورۃ الحجۃ (۱۹)	۲۰
۲۱	سورۃ الحجۃ (۲۰)	۲۱
۲۲	سورۃ الحجۃ (۲۱)	۲۲
۲۳	سورۃ الحجۃ (۲۲)	۲۳
۲۴	سورۃ الحجۃ (۲۳)	۲۴
۲۵	سورۃ الحجۃ (۲۴)	۲۵
۲۶	سورۃ الحجۃ (۲۵)	۲۶
۲۷	سورۃ الحجۃ (۲۶)	۲۷
۲۸	سورۃ الحجۃ (۲۷)	۲۸
۲۹	سورۃ الحجۃ (۲۸)	۲۹
۳۰	سورۃ الحجۃ (۲۹)	۳۰
۳۱	سورۃ الحجۃ (۳۰)	۳۱
۳۲	سورۃ الحجۃ (۳۱)	۳۲
۳۳	سورۃ الحجۃ (۳۲)	۳۳
۳۴	سورۃ الحجۃ (۳۳)	۳۴
۳۵	سورۃ الحجۃ (۳۴)	۳۵
۳۶	سورۃ الحجۃ (۳۵)	۳۶
۳۷	سورۃ الحجۃ (۳۶)	۳۷
۳۸	سورۃ الحجۃ (۳۷)	۳۸
۳۹	سورۃ الحجۃ (۳۸)	۳۹
۴۰	سورۃ الحجۃ (۳۹)	۴۰
۴۱	سورۃ الحجۃ (۴۰)	۴۱
۴۲	سورۃ الحجۃ (۴۱)	۴۲
۴۳	سورۃ الحجۃ (۴۲)	۴۳
۴۴	سورۃ الحجۃ (۴۳)	۴۴
۴۵	سورۃ الحجۃ (۴۴)	۴۵
۴۶	سورۃ الحجۃ (۴۵)	۴۶
۴۷	سورۃ الحجۃ (۴۶)	۴۷
۴۸	سورۃ الحجۃ (۴۷)	۴۸
۴۹	سورۃ الحجۃ (۴۸)	۴۹
۵۰	سورۃ الحجۃ (۴۹)	۵۰
۵۱	سورۃ الحجۃ (۵۰)	۵۱
۵۲	سورۃ الحجۃ (۵۱)	۵۲
۵۳	سورۃ الحجۃ (۵۲)	۵۳
۵۴	سورۃ الحجۃ (۵۳)	۵۴
۵۵	سورۃ الحجۃ (۵۴)	۵۵
۵۶	سورۃ الحجۃ (۵۵)	۵۶
۵۷	سورۃ الحجۃ (۵۶)	۵۷
۵۸	سورۃ الحجۃ (۵۷)	۵۸
۵۹	سورۃ الحجۃ (۵۸)	۵۹
۶۰	سورۃ الحجۃ (۵۹)	۶۰
۶۱	سورۃ الحجۃ (۶۰)	۶۱
۶۲	سورۃ الحجۃ (۶۱)	۶۲
۶۳	سورۃ الحجۃ (۶۲)	۶۳
۶۴	سورۃ الحجۃ (۶۳)	۶۴
۶۵	سورۃ الحجۃ (۶۴)	۶۵
۶۶	سورۃ الحجۃ (۶۵)	۶۶
۶۷	سورۃ الحجۃ (۶۶)	۶۷
۶۸	سورۃ الحجۃ (۶۷)	۶۸
۶۹	سورۃ الحجۃ (۶۸)	۶۹
۷۰	سورۃ الحجۃ (۶۹)	۷۰
۷۱	سورۃ الحجۃ (۷۰)	۷۱
۷۲	سورۃ الحجۃ (۷۱)	۷۲
۷۳	سورۃ الحجۃ (۷۲)	۷۳
۷۴	سورۃ الحجۃ (۷۳)	۷۴
۷۵	سورۃ الحجۃ (۷۴)	۷۵
۷۶	سورۃ الحجۃ (۷۵)	۷۶
۷۷	سورۃ الحجۃ (۷۶)	۷۷
۷۸	سورۃ الحجۃ (۷۷)	۷۸
۷۹	سورۃ الحجۃ (۷۸)	۷۹
۸۰	سورۃ الحجۃ (۷۹)	۸۰
۸۱	سورۃ الحجۃ (۸۰)	۸۱
۸۲	سورۃ الحجۃ (۸۱)	۸۲
۸۳	سورۃ الحجۃ (۸۲)	۸۳
۸۴	سورۃ الحجۃ (۸۳)	۸۴
۸۵	سورۃ الحجۃ (۸۴)	۸۵
۸۶	سورۃ الحجۃ (۸۵)	۸۶
۸۷	سورۃ الحجۃ (۸۶)	۸۷
۸۸	سورۃ الحجۃ (۸۷)	۸۸
۸۹	سورۃ الحجۃ (۸۸)	۸۹
۹۰	سورۃ الحجۃ (۸۹)	۹۰
۹۱	سورۃ الحجۃ (۹۰)	۹۱
۹۲	سورۃ الحجۃ (۹۱)	۹۲
۹۳	سورۃ الحجۃ (۹۲)	۹۳
۹۴	سورۃ الحجۃ (۹۳)	۹۴
۹۵	سورۃ الحجۃ (۹۴)	۹۵
۹۶	سورۃ الحجۃ (۹۵)	۹۶
۹۷	سورۃ الحجۃ (۹۶)	۹۷
۹۸	سورۃ الحجۃ (۹۷)	۹۸
۹۹	سورۃ الحجۃ (۹۸)	۹۹
۱۰۰	سورۃ الحجۃ (۹۹)	۱۰۰

سبق: ۲

حروف مشتبہ (ملے جاتے حروف)

— *James M. Smith, Jr.*

یہ سب چیزیں دیکھ کر اچھا لگا۔ یہ سب چیزیں دیکھ کر اچھا لگا۔ یہ سب چیزیں دیکھ کر اچھا لگا۔

4-40 - 76-1984

[illegible][illegible]

— 2 —

$$\frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 1 \end{pmatrix} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 1 \end{pmatrix} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 1 \end{pmatrix} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 1 \end{pmatrix}$$

شماره ۱۰۰ - بهار ۱۳۸۵ - فصلنامه علمی - پژوهشی مطالعات راهبردی

— *Journal of the American Medical Association*

[illegible][illegible]

جواب : ہر ! بلکہ ہر

— *U. J. J.*

۲۰۳

حرف مضمرہ: مُرقف (پُر اور باریک حرف)

مال ۾ ڏنل ٿيڻ کان پوءِ ڏيکارڻ ۾ آيل

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible][illegible]

شماره پنجم - بهار ۱۳۸۸

قَالَ يَا اِبْنِ اِيْمَانٍ

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$$

۱۰۔ اے نبیؐ کہے کرتے ہو، (فیکل) نہ دینی نہ اس سے

انگریزی کے اس باب سے

Journal of Management Education 30(6)p.789-804

$$\partial_t f_{\varepsilon} = -\frac{1}{\varepsilon} \left(\frac{1}{2} \frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{1}{2} \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) f_{\varepsilon} + \frac{1}{\varepsilon} \left(\frac{1}{2} \frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{1}{2} \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) f_{\varepsilon}$$

المجلس الأعلى للدراسات والبحوث

[illegible][illegible]

...and the *Journal of the American Medical Association* (JAMA) has been the most influential journal in the field of medicine for over a century.

$\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$

۱) اس پر مہر شقیں ہوں، جسوں کے لیے وہ جہان ہے۔

۲) یہ سوز پہ عروج، دیکھنا ہوئی، دیکھنے کو دے

نورِ معجزہ سے، دس سہ پہر، تیرے کون، اگر وہ تیرے وقت سے، تالی کا تپ، دھندلے

۳) کا ماسہ اس کو، دیکھ کر، کسے آئیں

۴) دھوا، جو پتہ، دھلت پر، دیکھ کر، کس نے

سید:

(' - -) = 67

سوال نکات فنی پیر؟ وہاں سے عامر نے۔

خطابِ حروف کے اوپر نیچے کی تعلیمات (برسرِ حق) کی سوس سالہ یادگار

سوال : حاکم کی دینی کاغذ پر ہے۔

اس کی راجگی میں تھی جن میں سے پچھتر سو درجے ۱۱۰ درجے اور تھکے
سورج صفا (۶) درجے یعنی صفائی کے لئے صفا (۴) مجموعی یا صفا

سوال : ان کنساتن کے مضامین محدود ہیں۔

طالب : ایک بار اس مسئلے کے بارے میں مجھے بتا دیجئے کہ آغوشِ حق میں کیا ہوتا ہے۔
 جیسے : حق = حق

اگر آپ کو یہ معلوم ہو کہ آپ کے پاس ایک ایسی چیز ہے جس کی قیمت 10 روپے ہے اور آپ اسے 5 روپے میں بیچ سکتے ہیں تو آپ اسے بیچیں۔

اس وقت سے پہلے کا طریقہ یہ تھا کہ عورتیں جس طرح بھی چاہتی تھیں اس طرح اپنے بچے کو دیکھتی تھیں۔

پول: مجبوراً مجھے کیا کرنا ہے؟

جواب : میرے پاس تو کسی نامور فنکار نے میری طرف اشارہ کیا ہے۔

میں نے کی پیش گوئیوں میں "ق" سے بعد کی طرف سے ہوا تھا، جسے مکتوبہ اور "ب" یا "ج" و
کے پیش کی طرف ہے اگرچہ "س" میں "ن" کے ساتھ "ا" کے ساتھ ہی مل گیا۔

$$w = \frac{L}{\pi} \left(\frac{1}{1 - \frac{L}{\pi}} \right) \quad \frac{L}{\pi} = \frac{1}{\pi} \quad \frac{L}{\pi} = \frac{1}{\pi} \quad \frac{L}{\pi} = \frac{1}{\pi}$$
[illegible]

نقصان در سبب مجرک است

Figure 1. The effect of the concentration of the *Agrobacterium* suspension on the transformation efficiency of *Agrobacterium* strains.

子

مجلس العلماء، دارالعلوم دیوبند، لاہور، پاکستان

$$u_{\alpha} = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{\alpha} + \alpha \right) \quad \text{for } \alpha \in \mathbb{R}^n$$

سبق: ۶

تشدید (۲)

- سوال: "تشدید" کے معنی کیا ہیں؟
- جواب: "تشدید" کے معنی "تشدید" ہیں۔ تشدید والے حرف کو بتائیے؟
- سوال: تشدید کی علامت کیا ہے؟
- جواب: نقطہ تشدید کو "تشدید" کی علامت کہتے ہیں۔
- سوال: تشدید کی علامت کیا ہے؟
- جواب: تشدید کی علامت "تشدید" ہے۔
- سوال: تشدید کی علامت کیا ہے؟
- جواب: تشدید کی علامت "تشدید" ہے۔
- سوال: تشدید کی علامت کیا ہے؟
- جواب: تشدید کی علامت "تشدید" ہے۔

مشق

- تعدادی حالت معمر سبب کی تفریق میں۔ تشدید کی علامت کیا ہے؟
- تعدادی حالت معمر سبب کی تفریق میں۔ تشدید کی علامت کیا ہے؟
- تعدادی حالت معمر سبب کی تفریق میں۔ تشدید کی علامت کیا ہے؟

سبق ۸

سوالات (- - -)

- سوال ۱ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۲ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۳ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۴ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۵ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۶ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۷ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۸ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۹ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔
- سوال ۱۰ : میں کیا کرتا ہوں ؟
- جواب : میں ایک لکڑی کا ٹکڑا بناتا ہوں ۔

مشق

مدرسہ ہر قسم کی تعلیم اور تربیت کا مرکز ہے ۔
 ہر ایک طالب علم کو اس میں شامل ہونا چاہیے ۔

سبق: ۹

تفاوت شروع کرنے کا طریقہ

سوال: کیا شروع کرنے کا طریقہ ہے؟

جواب: شروع کرنے کا طریقہ ہے کہ پہلے وہ چیز کو دیکھیں جو شروع کرنے کی ضرورت ہے۔
 مثال: اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔

سوال: کیا شروع کرنے کا طریقہ ہے؟

جواب: شروع کرنے کا طریقہ ہے کہ پہلے وہ چیز کو دیکھیں جو شروع کرنے کی ضرورت ہے۔
 مثال: اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔

سوال: کیا شروع کرنے کا طریقہ ہے؟

جواب: شروع کرنے کا طریقہ ہے کہ پہلے وہ چیز کو دیکھیں جو شروع کرنے کی ضرورت ہے۔
 مثال: اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔
 اگر آپ کو پتہ ہے کہ آپ کو کتنا پیسہ ملے گا تو آپ شروع کر سکتے ہیں۔

سبق: ۱۰

تفاوتِ تہمت کرنے کا طریقہ

- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: یہ غلطی ہے۔
- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔

- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- سوال: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔
- جواب: تہمت کرنے کا یہ طریقہ ہے۔

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

١-٢-٣-٤-٥-٦-٧-٨-٩-١٠

وہ صوفیوں کے لئے ہے
 (تیسری بات ہے) کہ اس کے لئے
 کہ اس کے لئے ہے اس کے لئے
 اس کے لئے ہے

—————

اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے

—————

اس کے لئے ہے

اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے
 اس کے لئے ہے اس کے لئے ہے

= سورۃ طہ =

—————

بسم اللہ الرحمن الرحیم
 یٰٰہٰی مَکِّیُّہُ ۝ اِنَّا اَنۡزَلۡنَاہُ فِیۡ لَیۡلِیۡ الْاَکۡثَرِ ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝

وَاِنَّا جَاعِلٌ فِیۡہِۭا اٰیٰتٍۭ لِّیۡۤاۤیۡمٍۭ ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاٰخِرَۃِ ۝ وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاٰخِرَۃِ ۝ وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝

وَاِنَّا جَاعِلٌ فِیۡہِۭا اٰیٰتٍۭ لِّیۡۤاۤیۡمٍۭ ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاٰخِرَۃِ ۝ وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاٰخِرَۃِ ۝ وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝

حَمْدٌ لِلّٰہِ
 —————

= سورۃ زحلہ =

—————

بسم اللہ الرحمن الرحیم
 اِنَّا اَنۡزَلۡنَاہُ فِیۡ لَیۡلِیۡ الْاَکۡثَرِ ۝
 وَتِلْکَ اَیَّۃُ الْاَوَّلٰی ۝

[illegible]

• مَبْرُورُ الْمَسَاقِ •

Handwritten musical notation on ten staves.

[illegible]

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability.

2. The second part of the text describes the various methods used to calculate the tax liability, including the use of tax tables and the application of various deductions and credits. It also discusses the importance of understanding the different types of taxes, such as income tax, sales tax, and property tax.

3. The third part of the text discusses the various ways in which taxes can be paid, including through direct payment to the tax authority or through a third party, such as a tax collector or a tax agent. It also discusses the importance of understanding the different methods of payment, such as cash, check, or credit card.

4. The fourth part of the text discusses the various ways in which taxes can be avoided or reduced, including through the use of tax shelters, tax credits, and tax deductions. It also discusses the importance of understanding the different methods of avoidance or reduction, such as capital gains tax, estate tax, and gift tax.

5. The fifth part of the text discusses the various ways in which taxes can be enforced, including through the use of tax audits, tax liens, and tax seizures. It also discusses the importance of understanding the different methods of enforcement, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

6. The sixth part of the text discusses the various ways in which taxes can be appealed, including through the use of tax appeals, tax court, and tax litigation. It also discusses the importance of understanding the different methods of appeal, such as the Tax Court and the Supreme Court.

7. The seventh part of the text discusses the various ways in which taxes can be collected, including through the use of tax collectors, tax agents, and tax inspectors. It also discusses the importance of understanding the different methods of collection, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

8. The eighth part of the text discusses the various ways in which taxes can be paid, including through the use of tax payments, tax credits, and tax deductions. It also discusses the importance of understanding the different methods of payment, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

9. The ninth part of the text discusses the various ways in which taxes can be avoided or reduced, including through the use of tax shelters, tax credits, and tax deductions. It also discusses the importance of understanding the different methods of avoidance or reduction, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

10. The tenth part of the text discusses the various ways in which taxes can be enforced, including through the use of tax audits, tax liens, and tax seizures. It also discusses the importance of understanding the different methods of enforcement, such as the Internal Revenue Service (IRS) and the State Tax Authority.

یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔
 یہ ہے کہ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

بِهِمْ سَقَى عَمْدَهُمْ يَوْمَئِذٍ رُحْمًا
 مِمَّا يَشْتَبُونَ ۚ ثُمَّ يُنْفِخُ فِي الصُّورِ
 نَسْفَةً يَوْمَئِذٍ ۚ فَتَذَرُهَا سُورَةُ الْفَجْرِ

وَالَّذِينَ كَفَرُوا لَهُمْ جَزَاءُ بِمَا كَفَرُوا
 وَإِنَّهُمْ فِي عَذَابٍ مُنْتَهَى ۚ وَالَّذِينَ
 آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ أَجْرٌ
 كَثِيرٌ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى

مَعَهُمْ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى
 مَعَهُمْ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى
 مَعَهُمْ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى
 مَعَهُمْ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى

وَالَّذِينَ كَفَرُوا لَهُمْ جَزَاءُ بِمَا كَفَرُوا
 وَإِنَّهُمْ فِي عَذَابٍ مُنْتَهَى ۚ وَالَّذِينَ
 آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ أَجْرٌ
 كَثِيرٌ ۚ وَكَانَ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّجْوَى

دو سرِ باب

عقائد

دومراپاسب عقائد

۱۶	۱۶	۱۶	۱۶
۱۷	۱۷	۱۷	۱۷
۱۸	۱۸	۱۸	۱۸
۱۹	۱۹	۱۹	۱۹
۲۰	۲۰	۲۰	۲۰
۲۱	۲۱	۲۱	۲۱
۲۲	۲۲	۲۲	۲۲
۲۳	۲۳	۲۳	۲۳
۲۴	۲۴	۲۴	۲۴
۲۵	۲۵	۲۵	۲۵
۲۶	۲۶	۲۶	۲۶
۲۷	۲۷	۲۷	۲۷
۲۸	۲۸	۲۸	۲۸
۲۹	۲۹	۲۹	۲۹
۳۰	۳۰	۳۰	۳۰

عقائد کا بیان

بدعتوں

عقیدہ : میں پست، شائیں سے ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

عقیدہ : میں سے بدعتیں ہیں۔ میں سے بدعتیں ہیں۔ میں سے

بدعتیں ہیں۔ میں سے بدعتیں ہیں۔ میں سے بدعتیں ہیں۔ میں سے

عقیدہ : میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

عقیدہ : میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

عقیدہ : میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ

ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں بدعتیہ ہوں۔ میں

سب سے پہلے یہ بات یاد رکھیں کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

حقیقت یہ ہے کہ یہ سب باتیں
ایک ہی جگہ سے لیں۔

میں کسی واقعہ میں متعلق ہو کر نکال دیا۔ ان کے بارے میں سے خواہے لڑی ہوئی
 یہ سب کچھ چاہے اس کی بھی مراد نہ ہو۔ چاہے یہ ایمان سے لگا ہوا ہو۔ یا غلط
 سے غلط ہو۔ یہ بھی اندرونی عقیم و معیوس ہیں۔ چاہے یہ کسی خاصہ یا خاصہ میں
 رہیں۔ اندرونی طور پر وہ کہہ سکتے ہیں کہ اللہ کا حکم ہے۔ یا کسی شے پر لڑا ہے۔ یا
 اس کے بارے میں وہ کہہ سکتے ہیں کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ الٰہی ہے۔ اس لیے کہ
 اس کے لیے سب سے بہتر ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

عقیدہ: یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

اللہ کا حکم ہے۔

عقیدہ: یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

عقیدہ: یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔
 یہی ہے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔ اس لیے کہ اللہ کا حکم ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا جس کا نام ہے "میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا"۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ وہ ہے جس میں وہ شخص جو کہ اپنے لئے ایک خاص مقام چنا تھا اس کے لئے ایک خاص مقام چنا تھا۔

عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے

تبدیل پر تشدد کر دیا۔ قریب کا علم ہوا ہے احمد علی کے کوئی نہیں ہوتا، ایسا ایمان
وہ علیہ السلام کو دیتی ہے اور اس کا ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
اقبال کی تہذیبیں نہیں دے سکتے ہیں۔^(۱)

عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
ظہور پر احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے

عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے

عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے
عقیدہ کی بنیاد پر میں نے بعد ازاں پریشانیوں سے
تہذیبیں۔ یہ ہے جو احمد علی کے ہر وہ شرف اور اعزاز سے لایا جاتا ہے جو اس
شعبوں کے پیش، اس شعبہ جو حق میں اس میں یہ تہذیبیں ہم انہیں نہیں دے سکتے

حسرت اور جہنم

عقیدہ جنت تک پہنچا دینی ہے اور اس میں جہنم سطوح - مشاہد طریق طرہ کی
صحنوں میں ہے۔ جہنم کی طرف سے ہر ایک اور فریاد ہو گا اور اس میں جہنم کی طرف سے ہر ایک
کے نفس کے اور دامن میں ہے۔

عقیدہ ۱: مذکورہ بالا ہے اس میں ایک مذہب، عقیدہ و طریق میں ایک مذہب ہے
و انہوں میں سے اس میں ایک میں ہو گا۔ وہ اپنے اعمال کی - انجیل کے اصولوں کی
میں کی غائبات سے غفلت - اس میں ایک میں ہے اس کے لئے ہی ہر ایک - رکاوٹوں -
و جو کہ اوپر ہے - یہ - و یہ اس میں ہے اس کے لئے ہی ہر ایک - ہے۔
عقیدہ ۲: مذکورہ بالا ہے اس میں ایک - یہ - و - اس کے لئے ہی ہر ایک سے
محافظہ - اس کے لئے ہی ہر ایک - ہے۔

عقیدہ ۳: مذکورہ بالا ہے اس میں ایک - یہ - و - اس کے لئے ہی ہر ایک سے
اس کے لئے ہی ہر ایک سے تمام نعمتیں یہ میراث عظیم ہوں گی
حقیر خاتمہ کا ہے

عقیدہ ۴: مذکورہ بالا ہے اس میں ایک - یہ - و - اس کے لئے ہی ہر ایک سے
مطابق - اس کے لئے ہی ہر ایک سے۔

عقیدہ ۵: مذکورہ بالا ہے اس میں ایک - یہ - و - اس کے لئے ہی ہر ایک سے
اس کے لئے ہی ہر ایک سے - اس کے لئے ہی ہر ایک سے - اس کے لئے ہی ہر ایک سے
مقتدرہ - اس کے لئے ہی ہر ایک سے۔

تیسرا باب

مسنون اعمال

تیسرا باب چوبیس گھنٹے کے مسنون اعمال

۱۰	کے اے۔ جی۔	۴۵
۵۹	جے۔ ایچ۔ اے۔	۴۶
۶۰	جے۔ ایچ۔ اے۔	۴۷
۶۱	جے۔ ایچ۔ اے۔	۴۸
۶۲	جے۔ ایچ۔ اے۔	۴۹
۶۳	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۰
۶۴	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۱
۶۵	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۲
۶۶	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۳
۶۷	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۴
۶۸	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۵
۶۹	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۶
۷۰	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۷
۷۱	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۸
۷۲	جے۔ ایچ۔ اے۔	۵۹
۷۳	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۰
۷۴	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۱
۷۵	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۲
۷۶	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۳
۷۷	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۴
۷۸	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۵
۷۹	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۶
۸۰	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۷
۸۱	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۸
۸۲	جے۔ ایچ۔ اے۔	۶۹
۸۳	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۰
۸۴	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۱
۸۵	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۲
۸۶	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۳
۸۷	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۴
۸۸	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۵
۸۹	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۶
۹۰	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۷
۹۱	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۸
۹۲	جے۔ ایچ۔ اے۔	۷۹
۹۳	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۰
۹۴	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۱
۹۵	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۲
۹۶	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۳
۹۷	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۴
۹۸	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۵
۹۹	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۶
۱۰۰	جے۔ ایچ۔ اے۔	۸۷

رسول اللہ ﷺ کی مبارک سنتیں

جو بیس گھنٹے کے معمول اعمال و آداب

صبح اچھے وقت

۱۔ صبح سویرے اٹھ کر وضو کرنا اور پھر نماز پڑھنا۔

۲۔

۳۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۴۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۵۔

۶۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۷۔

۸۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۹۔

۱۰۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۱۱۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۱۲۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۱۳۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۱۴۔ صبح سویرے کھانا کھانا اور پھر نماز پڑھنا۔

۴۵ - پانی پینے کے لیے پورے نیاں بنیں۔ بھونڈی روٹی کے پکے پانی میں ڈالیں۔

☆ جناب سر اسد علی احمد خاں دکنیاب پٹاخی محبتہ فقہ سے جاتے تو جو کام کرنا اور اچک کر دتے تھے۔

☆ بیٹا! میں داخل ہوتے سے پہلے پہنچ جائیں

”بِسْمِ اللَّهِ، اللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَسْئَلُكَ مِنْ اَعْتَابِ وَمُتَعَبَاتِ“

۱۵۔ بیت لکھا جس کی تالیف بہت قریب چھ سو سال قبل ہو سکتی ہے۔

۱۸۰۰ء میں نکاح ہوئے۔ اساتذہ نے سائنس پر توجہ دی اور چار برس تک، اساتذہ



☆ انگریزی یا کچھ اور پر قریب پانچ سو روپے بولے جاسکتے ہیں، یہ سب کا اسم

یادکتاب جو ۱۹۷۹ء میں شائع ہوا۔

☆ دہلی کے محکمہ پبلک ورکس کے ایک افسر نے کہا کہ یہ سڑک ابھی تک تعمیر نہیں ہوئی۔

وہاں ٹوہنک درجہ: چار ہے۔

☆ تاریخِ حیات کے وقت قبایع طرفہ نہ ہو ورنہ یہ بھی شکایاں ضرور آتی ہیں۔

وہ قتل کیے گئے۔

☆ قلمی نامہ : سید محمد رفیع (پیشہ شاعر، محقق) استاذ دارالعلوم دیوبند

ملفوظات ربابیہ کے اہلکار: لاہوری۔

لا بد من وقت استراحة في وقت الضيق والوقت الضيق

1. *Chlorophyll a*

۱۰ پیشاب، مائے حیات و مائے حیات کے پتے کے ساتھ ساتھ

تجربوں سے مراد جو کچھ ہوتا ہے۔

[illegible]

معلق لہو نہیہ دلمسے کاب میں بندھا، انہوں طریقے ہی مسون ہے۔

☆ یہاں سے غنہ وقت پہلے میاں پورہ ماہ نکلیں

☆ یہاں نکلتے چاہے گئے جہیز مایہ گئی

غترانک انحصار لہی اذهب عنی الادی و عافی

۱۲۔ شب نے طلاق بھی طرح سے دیتے۔

مسوک کے متعلق ستی

☆ بعد سے وقت مسوک، نکالتے ہے

☆ سوا۔ ایک ماہ سے زیادہ کسی نہ ہو اور انہی سے باہر ہوئی نہ

ہوئے۔ وہ ہے اقرب میں سوا۔ راحت مانتی ہے۔ یہ

(۱) میں عید کی طاقت کے لیے

(۲) امداد ٹرین پر مئے یا حمام۔

(۳) میں چار دیوے۔

(۴) میں چار دیوے۔

(۵) میں چار دیوے۔

(۶) میں چار دیوے۔

(۷) میں چار دیوے۔

(۸) میں چار دیوے۔

جہیز۔ ایک چار دیوے کی طرح ہے۔ یہ ہے جہیز۔

میں ہے۔ ایک چار دیوے کی طرح ہے۔ یہ ہے جہیز۔

میں ہے۔ ایک چار دیوے کی طرح ہے۔ یہ ہے جہیز۔

میں ہے۔ ایک چار دیوے کی طرح ہے۔ یہ ہے جہیز۔

مہر فر سے فارغ ہو کر اشرار سے دھبہ دار ٹرائی میں مشغول رہنا

اشرق کی نماز

بہتر تجربوں سے فارغ ہو کر اشرق تک ٹرائی میں مشغول رہنا سخت سے
اس میں ملتی اور قوس ہے کہ اس جگہ فرس پڑھے ہیں اور بھی دھبہ دار رہنا ہو پڑے
کہ اس بھی جگہ یہ کہتے ہیں کہ چھٹی دھبہ دار سے پہلے قوس کا شروع کرنا
وہاں سے وہاں میں اسلئے کہہ کر دیتے

۱۰۔ جب اشرق نکلے کے بعد اس میں پہلے چاہے جس وقت نکلتے ہو
چند حصے میں بعد دو وقت نکلے یہ بھی اس میں پڑے ایک حصہ اور ایک حصہ کا
نواہ ہوتا ہے۔ اس کو تمام اشرق کہتے ہیں۔ اشرق سے وقت چار وقت نکل پڑے
اس دن کا وقت اس کی آگاہی چھوڑے گی

صبح کا نواہ

بہتر تجربہ صلی علیہ وسلم صبح شہادت پڑھا پڑے تھے عیدہ مہر
چند بار اس کا پڑھنا چھوڑنا چاہیے اس کا طریقہ یہ ہے کہ وقت کو چھوڑا
بہتر ہے اس کو صبح کی آواز میں صلوٰۃ ہو کر نواہ ہے

چاشت کی نماز

اشرق سے بعد اھر کے کاس کا حق میں نکل پڑے چھ چاشت کے وقت چاشت
کی نماز چھوڑے

۱۱۔ جب محبوب میں تیزی آجائے اور بھی نماز ایک حصہ نہ ہو کہ وہاں سے
یہ عیدہ تیزی کے درمیان دو وقت یا چار وقت یا پھر وقت نہ ہو کہ وہاں سے
یہ نماز کو چاشت کی نماز کہتے ہیں
ہدایات میں آتا ہے کہ چاشت کی صبح دو وقت پڑھے سے اس کے درمیان

[illegible]

وہاں پہنچ کر یہ سب کچھ دیکھ کر حیرت مندی ہوئی۔

(۱) اس کے لئے کہ وہ اپنے آپ کو بے گناہ سمجھے

(۴) نہ صرف یہ کہ وہ سب سے زیادہ ترقی یافتہ ملکوں میں سے ایک ہے بلکہ

6. 2. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 8

[illegible]

(۱۲) کتب کی فہرستیں، جو اس وقت تک تیار ہو چکی ہیں، ان کے بارے میں

$$u = \sum_{j=0}^{\infty} u_j \quad (2)$$

لکھنے والے: مصطفیٰ محمد زکریا

مجلس الشورى

بیت کو چھوڑا اور چلا گیا۔

وہ سچے سچے انسان ہے

١٠٠ - حوالہ: محمد علی شاہ - ۱۳۸۵ھ

۲۔ اہل بیت علیہم السلام سے جو احادیث منقول ہیں، ان کے معنی و مآثرات سے مراد ہے۔

یہاں سے لے کر پورے ملک میں یہاں تک کہ

۱۰۔ اچھے بھائی، والدین اور سب سے پہلے اپنے آپ کو دیکھو۔

۱۹۶۰ء

۲۰ یہ بڑھتی ہے

۱۱. اٹھانے پر خاموش رہا، جی بٹکا اور جیسا مل جا۔ اس نے شہنشاہ اور اسے
 جان کا فصل بچھ کر دیا۔

۱۲. جوتے ۲۰۰۰ روپے کی تھے۔

۱۳. اٹھانے کی مجلس میں جو شخص نے کبھی اور نہ پہلے اس نے شہنشاہ کو
 ۱۴. اٹھانے میں انہیوں سے آواز سے اٹھا کر کھڑا ہوا تو یہی اٹھنے کے لیے آئے۔

۱۵. دھندلے ہندو سرور سے باتیں کرنے لگیں اس میں مراد۔

۱۶. مراد میں اسی طرح یہ دیکھنا شروع کیا۔

۱۷. اٹھانے کے شہنشاہ میں کبھی نہ کھانا نہ کھانا چاہے اور یہاں میں آجائے تو
 اس طرح پڑے۔ بس اللہ اللہ و انور

۱۸. اٹھانے کی جانب اب اب سے شہنشاہ کی آواز سے بچنے کے لیے
 آدھی کے آواز سے آواز۔

۱۹. یہ قانون پر غصہ ہوا۔ اس نے مختلف جہوں سے غصہ چھریاں اٹھائیں
 پھر سے۔

۲۰. اٹھانے میں پھونکنا شروع کیا۔

۲۱. کبھی کبھی مراد کو دیکھنا سنتے۔ مراد سے قدرتی مراد سے بے نیاز
 یہی ہے۔ یہاں سے مراد۔

۲۲. شہنشاہ کا کھانا جو سوئی کو چھوٹے سے کات پر چھوٹا ہے۔

۲۳. شہنشاہ کی چوٹی کو چھوٹے سے کات پر چھوٹا ہے۔

۲۴. شہنشاہ کی چوٹی کو چھوٹے سے کات پر چھوٹا ہے۔

۲۵. شہنشاہ کی چوٹی کو چھوٹے سے کات پر چھوٹا ہے۔

۱۵۰ بچو کو سمجھتے ہو کہ یہ نیکو اور نیکو نہیں ہیں
 ۱۵۱ جب پہلے وہیں سے نکلتے ہو تو ان سے کہو کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۲ اگر ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۳ یہاں تک کہ ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۴ اگر ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۵ اگر ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۶ اگر ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۵۷ اگر ان میں سے کوئی شخص اپنے آپ کو نیک سمجھے اور ان سے کہے کہ تم سے دعا ہے کہ تم سے
 اللہ تعالیٰ علیکم وعلیٰ آباءکم وعلیٰ اولادکم

۱۰۰ راستہ جو وہ نکال رہا ہے گا وہی راستہ ہے جس کی

تہذیب کی بنیاد

تہذیب کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 و تہذیب کے لیے جس کی بنیاد ہے
 و تہذیب کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے

۱۰۰ تہذیب کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے

تہذیب

(۱) جس کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے

(۲) جس کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے

تہذیب کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے

تہذیب کی بنیاد ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے
 ہے اس میں وقت کا ہے جس کی بنیاد ہے

مختلف منتیں

☆ — — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں — — — — —

— — — — — میری شادی ہے — — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں

☆ — — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں — — — — —

— — — — —

— — — — — میری شادی ہے — — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں

— — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں — — — — —

— — — — —

☆ — — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — —

☆ — — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — —

☆ — — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

— — — — — اللہ کے ہدیہ سے ہم سب خوش ہیں — — — — —

— — — — — آج میری آمد ہے — — — — — میری شادی ہے — — — — —

[illegible]
$$a_2 = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$$
[illegible]

میں نے اپنے دل سے کہا کہ میں نے یہ سب کیا ہے۔
میں نے اپنے دل سے کہا کہ میں نے یہ سب کیا ہے۔

1. *Staphylococcus aureus* (10⁷ CFU/ml)
 2. *Staphylococcus aureus* (10⁶ CFU/ml)
 3. *Staphylococcus aureus* (10⁵ CFU/ml)
 4. *Staphylococcus aureus* (10⁴ CFU/ml)
 5. *Staphylococcus aureus* (10³ CFU/ml)
 6. *Staphylococcus aureus* (10² CFU/ml)
 7. *Staphylococcus aureus* (10¹ CFU/ml)
 8. *Staphylococcus aureus* (10⁰ CFU/ml)
 9. *Staphylococcus aureus* (10⁻¹ CFU/ml)
 10. *Staphylococcus aureus* (10⁻² CFU/ml)

۱۔ اگرچہ یہ سب باتیں کہیں کہیں مل سکتی ہیں مگر ان کے ساتھ ساتھ
 ان کے خلاف بھی باتیں مل سکتی ہیں۔ ان کے خلاف باتیں ملنے سے ان کے
 خلاف بھی باتیں مل سکتی ہیں۔ ان کے خلاف باتیں ملنے سے ان کے

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$$

۴۔ جب یہ دو صورتیں مل جائیں تو ان میں سے

پہلے سے ایک نئی روئے کار ہے۔۔۔

اسے خاص طور پر موزوں ہے کہ "1940ء کی دہائی"

[illegible]
$$v_1, \dots, v_n \in \mathbb{R}^n \text{ are linearly independent} \iff \det(v_1, \dots, v_n) \neq 0$$

مجله پژوهش‌های حقوق کیفری و مجازات

[illegible]

میں نے اسے "عالم" سے جانے دیا۔

[illegible]

من ۱۲۰۰ تا ۱۳۰۰ هجری قمری

۱۰۰

میں نے اپنے دل سے کہا کہ میں تم کو چاہتا ہوں

1. *Introduction*

چند سالہ عرصے کے بعد

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]

سپوتنیک سے ترقی ہے جو کہ ہے ۔ ۔ ۔ ۔ ۔

6. 2000 年 10 月 1 日起

4. $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}{2}$ 100

$$d^2 \frac{f}{dx^2} = d^2 \left(\frac{f}{dx^2} \right) = d^2 \left(\frac{f}{dx^2} \right) = d^2 \left(\frac{f}{dx^2} \right)$$
[illegible]

ہاں سے سادہ چیدہ جو رہا

جو سر تو منی توں تن سے سے عورتوں، ہوشیہ سپہر اپنی حشر

سہ سے چلی گئی

عصر کا باز مہلا، یہ سے ہاتھ ہاتھ سے کتے سے سے مکتوب

عزت و شکر، یہ سب سے پتہ

جو سبھی کا شہر سے کاں کا

وہ وہی، یہ سب سے یہ طبع سے یہ شہر

سے سے یہ شہر سے یہ شہر

تو جس سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

سے سے

وہی شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

سے سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

سے سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

سے سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے یہ شہر سے

۱۔ کلاس میں اٹھنا بیٹھا ہونے کے اثر کے ساتھ ۔۔۔ مجلس میں تیس بار کسی وقت
دور و اثر لقیہ پر ہوا۔

۲۔ کچھ میں جو جگہ مل جائے اسی جگہ بیٹھا۔

۳۔ وہی حالتوں میں بھی بے گناہ کو کسی رعب سے اٹھ کر دو ماہ سے بیٹھتا۔

۴۔ بچہ پڑھتا رہتا رہتا ہے جو چاہے تو شمار و غیرہ میں بیٹھا رہتا۔

۵۔ اس میں سے جو حائس ہو شمار پر چھین تو فنی کرنا اور ضرورت پڑے تو

کو شمار پر چھوڑا۔

چالیس مسنون وُعائیں

(۱) نئی یاد پڑھیں

ایک ایک مسجد، ایک ایک مسجد، ایک ایک مسجد
ایک ایک مسجد

— عجمیوں کی قدرت — تم نے انہیں تین اشعار — ۱۰۰ —
توڑے — تم نے — تم نے — تم نے — تم نے —
(۲) ساری نکتہ وقت کی دے

الحمد لله الذي جعلنا منكم منكم
سب تم نہیں ہے — یہ ہیں کہ آں میں ہوں جاہل
سب میں ملے — یا

(۳) تمام کو یہ پڑھے

ایک ایک مسجد، ایک ایک مسجد، ایک ایک مسجد
ایک ایک مسجد

— خدا تعالیٰ کی قدرت ہے — تم نے وہ اشعار — ۱۰۰ —
قدرت ہے — تم نے وہ اشعار — ۱۰۰ —
موت کے بعد میں بھی مرے گا

(۵) فتح اور شام کی پیروی میں جا

مکہ میں آئے اور وہاں سے مدینہ کی طرف روانہ ہوئے۔ مدینہ میں پہنچ کر انہوں نے رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کو خبر دی کہ آپ نے مدینہ کی طرف روانہ ہوئے ہیں۔ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا کہ میں نے تمہارے ساتھ جہاد کے لیے بھیجا تھا، لیکن تم نے اسے نہ لیا۔ یہ سن کر انہوں نے کہا کہ ہم نے اسے لیا ہے، لیکن آپ نے اسے نہ لیا۔ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا کہ میں نے تمہارے ساتھ جہاد کے لیے بھیجا تھا، لیکن تم نے اسے نہ لیا۔ یہ سن کر انہوں نے کہا کہ ہم نے اسے لیا ہے، لیکن آپ نے اسے نہ لیا۔

(۵) مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

(۶) مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

مدینہ کی فتح اور شام کی پیروی میں جا

رہے تھے۔ (۶)

(۷) بیتِ نیا چاہے تو یہ پر ہے

سب بیتِ جاہلہ تھی کہ ہے تکی بھو جہ سے جاہلہ

بلیہ ہی عداوتِ کفر لکھا، محاسن

— عداوتِ کفر، پرتوں پر کھڑے ہیں، کفر، کفر، کفر —

(۸) بسبِ بیتِ نیا کے کئے تو یہ پر ہے

بھلائی، بدی، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

بے کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر

(۹) بسبِ کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

(۱۰) بسبِ کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

(۱۱) بسبِ کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر، کفر

— میں نے اس لڑکھن کو لایا ہے —

(۱۲) اس صوفی کے چہرے پر اتنا غم نہ تھا کہ یہ چاہتے تھے

انہوں نے اس صوفی کے ساتھ ساتھ ایک لڑکھن لایا تھا۔

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

— لی اور نکلتے —

(۱۳) اس صوفی کے چہرے پر غم نہ تھا کہ یہ

اس صوفی کے ساتھ ساتھ ایک لڑکھن لایا تھا۔

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

(۱۴) اس صوفی کے چہرے پر غم نہ تھا کہ یہ

انہوں نے اس صوفی کے ساتھ ساتھ ایک لڑکھن لایا تھا۔

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

(۱۵) اس صوفی کے چہرے پر غم نہ تھا کہ یہ

انہوں نے اس صوفی کے ساتھ ساتھ ایک لڑکھن لایا تھا۔

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

(۱۶) اس صوفی کے چہرے پر غم نہ تھا کہ یہ

انہوں نے اس صوفی کے ساتھ ساتھ ایک لڑکھن لایا تھا۔

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

— یہ صوفی صوفی ہے، اسے اس کے ساتھ لے کر لے جاؤ —

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے
 فخر علیہ کہ ہمارے پاس ہے
 جس کا

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے
 نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

(۱۷) میری زبان سے پڑھتا ہے یہ ہے

میرا کہ ہمارے پاس ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

(۱۸) میری زبان سے پڑھتا ہے

میرا کہ ہمارے پاس ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

(۱۹) میری زبان سے پڑھتا ہے

میرا کہ ہمارے پاس ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

(۲۰) میری زبان سے پڑھتا ہے

میرا کہ ہمارے پاس ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

نہ کہہ سکتا ہوں کہ یہ ہے

(۲۱) ذب میری اپنا تیرا ہے تو یہ ہے

لہو سے جس جلی جلی

سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے

(۲۲) مراں و یوں مپا رہا ہے

راگہ بد لگ رہا ہے غمگین و جمع ہو کر

ہوئے ہے تیرے سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے

(۲۳) شہ قند میں رہا ہے

میں سے غمگین و غمگین و غمگین

سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے

(۲۴) ذب تو چاہا ہے

میں سے غمگین و غمگین و غمگین و غمگین

میں سے غمگین و غمگین و غمگین

سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے تیرے سے

میں سے غمگین و غمگین و غمگین و غمگین

(۲۵) کی مسلمان و مست رہا ہے

میں سے غمگین و غمگین

میں سے غمگین و غمگین

(۲۶) ذب کی مریش مسلمان و میاں رہا ہے

میں سے غمگین و غمگین

میں سے غمگین و غمگین و غمگین و غمگین

(۲۷) کس کا دل چاہتا ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ کتنا مقرر ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

(۲۸) کس کی دل چاہتا ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

(۲۹) کس کی دل چاہتا ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

میں نے دیکھا ہے

(۳۰) کس کی دل چاہتا ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

(۳۱) کس کی دل چاہتا ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

میں نے دیکھا ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

یہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے کہ وہ ہے

پہ قصاب

شرعی مسائل

میں پتہ نہ ہو سکتا ہے۔ چنانچہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے کہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۱) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۲) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے کہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۱) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۲) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

یہ ہے۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے کہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۱) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

(۲) اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے کہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

اس کے علاوہ اس کے بارے میں یہ بھی

نقص ہے کہ اس کے بارے میں کوئی حتمی فیصلہ نہیں کیا جاسکتا۔

کے لئے چاہا کہ اس کے لئے سوچا کہ وہ پتھر کی ریت کی طرح ہو جائے۔
تو وہ ہے

بوالہ ڈر بھوپا ہے۔ مگر وہی دم بچا ہے۔ وہاں ہے۔ جتنا ہے۔
تو وہی ہے۔ مگر کتنا ہے۔

تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔
تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔
تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔
تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔

تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔

تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔

تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔

تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔
تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔ تو ہے۔

ہے۔ یہاں تک کہ اس کی ترقی و نمو ہو کر اس کی

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر اس کی ترقی ہو کر

میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔ میں نے یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

[illegible]

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 3. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 5. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 6. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 7. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 8. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 9. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 10. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

[illegible][illegible]

مواہل: ۱۹۹۲ء پشاور پبلشرز پرائیویٹ لٹریچر ہاؤس، لاہور۔

۱۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۲۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۳۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۴۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۵۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۶۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۷۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۸۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۹۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۰۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۱۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۲۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۳۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۴۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۵۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۶۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۷۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۸۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۱۹۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

۲۰۔ سید محمد رفیع: سید محمد رفیع کی سوانحی تصانیف، لاہور، ۱۹۹۲ء۔

غسل کا بیان

مواں غسل میں تینے فرض ہیں : دودھ نہ ہیں ؟

یہاں غسل میں تین فرض ہیں

(۱) سر پر رکھ کر دینا

(۲) آگ سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

(۳) پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

سارل غسل تینے فرض ہیں

یہاں غسل میں تین فرض ہیں

(۱) غسل کرنا

(۲) پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

(۳) چھلکے پانی

یہاں غسل

یہاں غسل تینے فرض ہیں

یہاں غسل تینے فرض ہیں

یہاں (۱) چھلکے پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

(۲) چھلکے پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

(۳) چھلکے پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

(۴) چھلکے پانی سے دھو کر چھلکے پانی چھڑانا

وہاں آئیں گے کلاڑیہ پوچھیں

وہ (۱۱) کہے، اہل لوگوں میں وہاں بڑے بڑے فقیر

(۱۲) شہنشاہ کو کہے، کہو، تپش چاہیے، بڑے بڑے

بڑے بڑے

(۱۳) اہل لوگوں میں بڑے بڑے

(۱۴) اہل لوگوں میں بڑے بڑے

(۱۵) اہل لوگوں میں بڑے بڑے

(۱۶) اہل لوگوں میں بڑے بڑے

(۱۷) اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

پہلے درجہ میں آئے، اہل لوگوں میں بڑے بڑے

وہیں پہنچ کر میں دانت میٹھا کر کے اسے تسکین دینی ضرورت تھی۔
 بھرے ہوئے تھی۔ میرے روبرو اس نے ہاتھ دھو کر کہا۔

اب اس کی دیر ہو چکی تھی۔ وہ دیر دار بھائیوں کی طرح تھوڑے
 دیر میں اسے شام کے پہلے پہنچنے پر آمادہ ہو کر بیٹھ کر اسے دیکھ کر

کہا۔ میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔

وہ اس کے ساتھ بیٹھ کر کہا۔ اسے دیکھ کر اس نے کہا۔
 میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔

اس نے کہا۔ میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔
 میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔

میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔
 میں نے اسے دیکھا تو اس نے کہا۔

میں نے اسے دیکھا۔

میں نے اس کے لئے ایک نیا نام رکھا ہے۔

[illegible]

جواب ہے۔ یہ کتاب مرقیہ نو لکھی گئی ہے۔ یہ کتاب مسیحی ہے۔

۱۔ اے نبیؐ! یہاں سے اتر کر اپنے رب کے پاس پہنچ جا۔

شعور تیز ہو گیا ہے۔ پانی پانی ہے نہ جڑ کے نیچے ہے نہ اوپر۔ میں

و حق تعالیٰ نے اس کے لئے ایک اور طریقہ بھی جوڑ دیا کہ اس کی ذات میں یہ ہے۔

آپ اس وقت سولہ سو اسی ہجری قمریہ میں تھے۔

۱۔ اے اللہ کے رسول! یہاں سے جاؤ اور نہ رہو، کیونکہ تم لوگ ان کے ساتھ نہیں ہو سکتے۔

میرزا محمد علی خان قزوینی

۱۰۔ "میں نے تمہارے ساتھ جو کچھ کہا ہے اس پر غور کرو اور اس سے اپنے دل میں کیا فیصلہ کرنا چاہتا ہوں۔"

5-6.

۱۔ دیکھو کہ یہ کلام و رسالہ کتنے بے باق و شجاعانہ ہے۔

میں نے اس کو دیکھا تھا۔ اس نے کہا کہ اس کو دیکھا تھا۔ اس نے کہا کہ اس کو دیکھا تھا۔

[illegible]

— ۲۵ —

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

— 188 —

جانوروں کے جھوٹے کابیان

سوال: "میں نے تیرے لیے تیار ہے" میں کیا قسم ہے؟

تجربہ آقا محمد علی صاحبزادہ کے بارے میں جو پیش کیا گیا ہے۔

ہاں میں پاپ ہے لیکن میں اب جیسا کہ پہلے پاپ سے پہلے تھا
اب بھی اسی جیسا تھا۔ یہی ہے اس کا حال ہے

۱۔ اے نبیؐ! میں نے تجھے دیکھا ہے،

چونکہ یہ ایک صحیح معجزہ ہے۔ اور یہاں مندرجہ بالا سے یہ قیاسی طور پر ہے۔

[illegible]

”اے اللہ! تجھے توبہ کرنے والے سے کیا حکم ہے؟“

۱۔ پستی و تنوع: یہ ہے کہ نیچر کو وہ ہے جس سے علم و ادب پیدا ہوتا ہے۔

میں نے انہیں یہ بتایا کہ ان کے پاس کچھ نہیں ہے۔

جانی۔ یہ سب سچ ہے، لیکن سب سے زیادہ۔ تو اس کا پتہ لگے گا

وہ ہے جس نے میری اس بات پر اصرار کیا ہے کہ جو ۱۔ کو اسے دکھائے۔

ہر شے میں ہر شے ہے دھالیہ میں ہر شے و ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے
ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے ہر شے

عالمی ادارہ صحت کے سربراہ نے کہا کہ دنیا میں ۱۰۰ کروڑ سے زائد لوگ یا تو ایسے ہی ہیں یا تو ایسے ہی ہیں۔

جیسا کہ میں نے پہلے کہا ہے، یہ ایک نیا دور ہے۔
یہ دور ہے جس میں ہم نے اپنے آپ کو
دیکھا ہے کہ ہم نے اپنے آپ کو

حرفہ خطیبوں کو حقوق و سہولتوں کی کثرت پسند چاہیے۔ خطیبوں کو جس سے زیادہ صلاح
میلے وہ زیادہ حقوق بہ ان کے لئے رکھو۔ ان کو جس سے زیادہ
مقام برحق سمجھو اور اس سے ان کو جس سے زیادہ جگہ حاصل ہو۔ اور ان کے
مقاموں میں سے ان کے لئے جگہ رکھو۔ ان کے لئے جگہ رکھو۔

$$\begin{aligned} \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} &= \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} \cdot \frac{1}{1} = \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} \cdot \frac{1}{1} \\ &= \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} \cdot \frac{1}{1} = \frac{1}{\sqrt{1-x^2}} \cdot \frac{1}{1} \end{aligned}$$

وہی ہے جو کہ ہم نے پہلے ہی میں دیکھا ہے۔

ابن عباسؓ سے روایت ہے کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا کہ جو شخص اپنے بھائی سے بغض کرے گا وہ میرے دشمن ہے۔

۱۔ یہ کہتے ہیں کہ اگرچہ ان کے پاس کچھ ہے مگر وہ اس سے زیادہ چاہتے ہیں۔
 ۲۔ یہ کہتے ہیں کہ اگرچہ ان کے پاس کچھ ہے مگر وہ اس سے زیادہ چاہتے ہیں۔
 ۳۔ یہ کہتے ہیں کہ اگرچہ ان کے پاس کچھ ہے مگر وہ اس سے زیادہ چاہتے ہیں۔

ہاں یہ حلقہ موجود ہے۔ یہ ایک ایسا علاقہ ہے جس میں
 ایک ہی قوم کے لوگ رہتے ہیں۔

نہجست پاک کرنے کا بیان

میں نے یہ کتاب لکھنے میں

تو جس کا مقصد ہے اس کا

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

یہ کتاب لکھنے کا مقصد ہے اس کا
میں نے یہ کتاب لکھنے میں

۱۹۱۹ء

یہ کتاب لکھنے کا مقصد ہے اس کا
میں نے یہ کتاب لکھنے میں

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

۱۹۱۹ء

$$= \frac{1}{\sqrt{\pi}} \int_{-\infty}^{\infty} e^{-t^2} dt = \frac{1}{\sqrt{\pi}} \cdot \sqrt{\pi} = 1$$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

— 2 —

$$x_1 = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$$
$$L_1 + L_2 = \frac{1}{\omega} \left(\frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) \left(\frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) \left(\frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) \left(\frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right) \left(\frac{\partial^2}{\partial x^2} + \frac{\partial^2}{\partial y^2} \right)$$
[illegible]

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{8}$
 3. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{16}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{16}$
 5. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{32}$
 6. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{64}$
 7. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{32}$
 8. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{64}$
 9. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{128}$
 10. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{64}$
 11. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{128}$
 12. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{256}$
 13. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{128}$
 14. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{256}$
 15. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{512}$
 16. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{256}$
 17. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{512}$
 18. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{1024}$
 19. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{512}$
 20. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{1024}$
 21. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{2048}$
 22. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{1024}$
 23. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{2048}$
 24. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{4096}$
 25. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{512}$
 26. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{2048}$
 27. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{4096}$
 28. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{1024}$
 29. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{512}$
 30. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{1024}$
 31. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{2048}$
 32. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{1024}$
 33. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{2048}$
 34. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{4096}$
 35. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{2048}$
 36. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{4096}$
 37. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{8192}$
 38. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{4096}$
 39. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{8192}$
 40. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{16384}$
 41. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{8192}$
 42. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{16384}$
 43. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{32768}$
 44. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{16384}$
 45. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{32768}$
 46. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{65536}$
 47. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{32768}$
 48. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{65536}$
 49. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{131072}$
 50. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{65536}$
 51. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{131072}$
 52. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{262144}$
 53. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{131072}$
 54. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{262144}$
 55. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{524288}$
 56. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{262144}$
 57. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{524288}$
 58. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{1048576}$
 59. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{524288}$
 60. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{1048576}$
 61. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{2097152}$
 62. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{1048576}$
 63. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{2097152}$
 64. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{4194304}$
 65. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{2097152}$
 66. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{4194304}$
 67. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{8388608}$
 68. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{4194304}$
 69. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{8388608}$
 70. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{16777216}$
 71. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{8388608}$
 72. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{16777216}$
 73. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{33554432}$
 74. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{16777216}$
 75. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{33554432}$
 76. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{67108864}$
 77. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{33554432}$
 78. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{67108864}$
 79. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{134217728}$
 80. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{67108864}$
 81. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{134217728}$
 82. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{268435456}$
 83. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{134217728}$
 84. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{268435456}$
 85. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{536870912}$
 86. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{268435456}$
 87. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{536870912}$
 88. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{1073741824}$
 89. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{536870912}$
 90. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{1073741824}$
 91. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4294967296} = \frac{1}{2147483648}$
 92. $\$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]
$$1 + \frac{1}{2} = \frac{3}{2} = 1.5$$

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered.

— ۱۲۰ —

Journal of Management Education 30(6)p. 789-804

[illegible]

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

• *Staphylococcus aureus* •

وہاں سے آکر آج کل کے دور میں

— ۱۲۰ —

الماء في البحر والبر والبحر والبر والبحر والبر والبحر

Figure 1. Schematic diagram of the experimental setup.

1. *Phylogenetic relationships*—Phylogenetic relationships among the 10 species were determined using the maximum parsimony method. The analysis was performed using the program PAUP 4.0 (Nelson & OlSEN, 1992). The analysis was based on 1000 random addition sequence replicates and 1000 random addition sequence replicates. The analysis was based on 1000 random addition sequence replicates and 1000 random addition sequence replicates.

[illegible]

۱. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

—

Journal of Management Education 30(6)

— ¹ See, e.g., *United States v. Gurnea*, 199 F.3d 1008, 1012 (9th Cir. 2000).

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

Journal of Management Education 30(6)p.789-804

ان محاسبہ کے تحت ملنے والے نتائج درج ذیل ہیں:

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

• • • • •

ہم نے یہ سب کچھ دیکھا ہے، یہ سب کچھ دیکھا ہے، یہ سب کچھ دیکھا ہے۔

وہابیہ کا یہ عقیدہ ہے کہ اللہ تعالیٰ نے اپنے پیغمبروں کو اپنی طرف سے بھیجا ہے اور ان کے پیروں سے نہیں لیا۔

" *See also* 10-11-12-13-14-15-16-17-18-19-20-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-

پہلے سوچیں اور پھر بات کریں (1) - حضرت یونس علیہ السلام

لو کیا ہے جو سنا

سواں اور پشیمان بھی بنی حالت نہ ہے بہتر ۔ نہ وہاں بھی جی میں ٹھہرتی
تو اس سے پتا نہ لے کا لیا طریقہ نہ

جواب دینی صورت میں جھوٹا نہ ہو ۔ مجھ کو نہ پتا نہ ہونا
میں نے یہ سنا ہے کہ کسی نے کہا کہ یہ وہاں ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے
جواب تو سوچو کی بات ہے جو کہی ہو رہی ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
اسکی فکر نہ کی ۔ تو تو اس سے کہو ۔

جس شہر میں تھیں وہ چاندن سے ہے ۔ یہ پتہ لے ۔ ۔ شہر نہ ہو
جسکی چینی نہ ہو ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔

جواب میں ۔ پتا نہ لے کہ کھو گیا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔

سواں ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
جواب اور نہیں پر نہایت ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
خاموشی کا یہ ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
سواں ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔

جواب دینی رسمیں سے ٹھیک نہ کرتے ہیں ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
درست ہے

یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔
یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔ یہ کہہ کر یہ بتاتا ہے ۔

والی حواشی، پتہ دیکھ لیا، نہ دیکھ سکا۔ میں دیر بعد پہنچ گیا۔
 سچا مہیا باک و سہل۔ لی یہ صوبہ میں

ہو گیا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 حسیہ کی ہے وہ مہیا پتہ دیکھ لیا، نہ دیکھ سکا۔ میں دیر بعد پہنچ گیا۔
 ہے اس کا سہل مہیا

میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 یہ بہت شاعرانہ ہے۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 جو ہے وہ مہیا پتہ دیکھ لیا، نہ دیکھ سکا۔ میں دیر بعد پہنچ گیا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔

میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔

میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔

میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔

میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔
 میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔ میں نے اسے دیکھا۔

حیض اور استیضہ کا بیان

”ہاں میں نے کوئی“

”ابھی“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“

”ہاں میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“ ”میں نے“

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible][illegible]

میں نے وہی لڑائی لڑی تھی۔
 سب سے پہلے یہ کہہ دیتے ہیں کہ میں نے کبھی نہیں لڑی۔
 میں نے لڑی ہے۔ پھر یہ کہہ دیتے ہیں کہ میں نے کبھی نہیں لڑی۔
 اور یہ کہہ دیتے ہیں کہ میں نے کبھی نہیں لڑی۔
 یہاں پہلے میں نے کبھی نہیں لڑی۔
 مجھے یہ سب کچھ یاد ہے۔

حیف کے احکام

سوال: حیف سے رمضان میں فرائض روکے ہوئے کیا نکلتے؟

جواب: اگر رمضان میں نماز پڑھ کر روزہ رکھنا چاہیں تو نہیں، بلکہ اگر فرائض سے کوتاہی کرنا ہو تو حیف سے روزہ رکھنا چاہیے۔
 یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ چاہے کسے بعد قضا پڑھنا واجب نہیں، لیکن روزہ رکھنا واجب نہیں ہوتا۔ چاہے کسے بعد قضا کرنا واجب ہے۔
 سوال: اگر کسی کو روزہ پڑھنے کے حیف آ گیا تو کیا کرے؟

جواب: اگر کوئی روزہ پڑھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

سوال: اگر کسی کو روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

جواب: اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

جواب: اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

سوال: اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

جواب: اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔ لیکن اگر کوئی روزہ رکھنے کے لیے ایسا وقت نہ پا سکے تو روزہ رکھنا چاہیے۔ یہ نکل معاف ہو جائیگا۔

تہ میں ایک مہر اور سہا سہی کے طائر — مئی بھی تلاش میں ہے۔ مئی

میں ہو یا — کیا اور فضا پر سرچ کرے

میں رہا ہوں تہ ایک شہر کے لوگ ہیں جو ان کے

دو کے ہیں صورت میں رہا ہے۔ میں میں ملے ہوئے تہ

میں رہا ہے۔ یہاں پہلے میں رہا ہے کہ میں کا وقت میں رہا ہے کہ میں

میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

پاکہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں رہا ہے کہ میں

نفس کا بیات

سوال: جس نے بتے ہیں کہ میں نے نماز پڑھا اور دعا کی اور دعا کیا ہے
 وہ اب بچہ پیدا ہو جائے بعد جو توں ہے اس دعا کا کیا اثر ہے؟
 جواب: دعا اور دعا کا اثر ہے کہ وہ دعا کی مقدرہ تمہیں میں ہے۔ ایک اور شخص
 نے توں نے دعا کی تو دعا کا اثر ہے
 اس کے بچہ پیدا ہوئے۔ دعا کی دعا توں نے دعا کی ہے جس سے دعا
 ہوئے۔

جواب: دعا کا اثر ہے کہ دعا کی دعا ہے۔
 اس کے دعا کا اثر ہے کہ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔

سوال: دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 جواب: دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 سوال: دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔
 جواب: دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔ دعا کی دعا ہے۔

[illegible]

۱۔ اُن کی پیروی نہ کرنا اور ان کے احکامات سے اجتناب کرنا

[illegible]

ہاں میں نے وہ شے دیکھی ہے جسے آپ نے کہا کہ اسے ایک مٹی کی مورتی کہتے ہیں۔
 (پھر وہ اسے دکھانے کے لیے اٹھ کھڑی ہوئی)

جواب: یہ صورت میں انہی شرطوں کے چار پہلو ہیں۔
 ۱۔ یہ کہ وہ عیسائی نہ ہو۔
 ۲۔ یہ کہ وہ عیسائی نہ ہو۔
 ۳۔ یہ کہ وہ عیسائی نہ ہو۔
 ۴۔ یہ کہ وہ عیسائی نہ ہو۔

ہوتا تو یہی قسمی، جسے وہی دیکھ رہے ہوں، اس قسمی، اور یہ وہی چہرہ، اور وہی ہوتا ہے۔
سوال کیا یہ تو کوئی کون ہے؟
درست ہے؟

جواب درست نہیں ہے، اور اگرچہ اس سے کچھ دُعا پڑا ہو، جیسے وہاں، نیز وہ تو
اس سے بڑا کچھ دُعا پڑا ہو، درست ہے۔

سوال ایسی حالت میں قرآن پاک پڑھنے سے یہ ممکن یا ممکن ہے؟
جواب ایسی حالت میں قرآن پاک پڑھنا، جس میں اس سے کچھ دُعا پڑا ہو،
نہ ہو، یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو، یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو،
یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو، یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو،
یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو، یہی آیت پڑھنا، جو کچھ دُعا پڑا ہو،

سوال قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟

جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟

جواب جا ہے
سوال قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟
جواب قرآن پاک میں ایسی آیت کون سی ہے؟

میں نے اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ
 ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ

اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ
 اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ

اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ
 اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ

مضمون اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ
 اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ

نتیجہ اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ
 اس کے ساتھ ساتھ ایک اور چیز بھی لکھ دی تھی کہ اس کے ساتھ ساتھ

نماز کا بیان

نماز کے اوقات

نماز کے پانچ اوقات ہیں۔ صبح کی نماز فجر کے بعد اور دوپہر کی نماز ظہر کے بعد اور عصر کے بعد اور شام کی نماز مغرب کے بعد اور رات کی نماز عشاء کے بعد۔

نماز کے پانچ اوقات ہیں۔ صبح کی نماز فجر کے بعد اور دوپہر کی نماز ظہر کے بعد اور عصر کے بعد اور شام کی نماز مغرب کے بعد اور رات کی نماز عشاء کے بعد۔

نماز کے پانچ اوقات ہیں۔ صبح کی نماز فجر کے بعد اور دوپہر کی نماز ظہر کے بعد اور عصر کے بعد اور شام کی نماز مغرب کے بعد اور رات کی نماز عشاء کے بعد۔

نماز کے پانچ اوقات ہیں۔ صبح کی نماز فجر کے بعد اور دوپہر کی نماز ظہر کے بعد اور عصر کے بعد اور شام کی نماز مغرب کے بعد اور رات کی نماز عشاء کے بعد۔

در این مقاله، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ابتدا، به تعاریف و مفاهیم حقوق و عدالت پرداخته می‌شود و سپس به بررسی نقش حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ادامه، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود و در نهایت، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود.

در این مقاله، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ابتدا، به تعاریف و مفاهیم حقوق و عدالت پرداخته می‌شود و سپس به بررسی نقش حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ادامه، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود و در نهایت، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود.

در این مقاله، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ابتدا، به تعاریف و مفاهیم حقوق و عدالت پرداخته می‌شود و سپس به بررسی نقش حقوق در جامعه و نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود. در ادامه، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود و در نهایت، به بررسی نقش و جایگاه حقوق در نظام حقوقی ایران پرداخته می‌شود.

[۱، ۲، ۳]

۲. ۳. ۴. ۵. ۶. ۷. ۸. ۹. ۱۰. ۱۱. ۱۲. ۱۳. ۱۴. ۱۵. ۱۶. ۱۷. ۱۸. ۱۹. ۲۰. ۲۱. ۲۲. ۲۳. ۲۴. ۲۵. ۲۶. ۲۷. ۲۸. ۲۹. ۳۰. ۳۱. ۳۲. ۳۳. ۳۴. ۳۵. ۳۶. ۳۷. ۳۸. ۳۹. ۴۰. ۴۱. ۴۲. ۴۳. ۴۴. ۴۵. ۴۶. ۴۷. ۴۸. ۴۹. ۵۰. ۵۱. ۵۲. ۵۳. ۵۴. ۵۵. ۵۶. ۵۷. ۵۸. ۵۹. ۶۰. ۶۱. ۶۲. ۶۳. ۶۴. ۶۵. ۶۶. ۶۷. ۶۸. ۶۹. ۷۰. ۷۱. ۷۲. ۷۳. ۷۴. ۷۵. ۷۶. ۷۷. ۷۸. ۷۹. ۸۰. ۸۱. ۸۲. ۸۳. ۸۴. ۸۵. ۸۶. ۸۷. ۸۸. ۸۹. ۹۰. ۹۱. ۹۲. ۹۳. ۹۴. ۹۵. ۹۶. ۹۷. ۹۸. ۹۹. ۱۰۰.

کے لئے ایک نیا دور ہے۔ اس کے لئے ایک نیا دور ہے۔

یہ ایک نیا دور ہے۔

دلِ حقیقی کے لئے ایک نیا دور ہے۔

یہ ایک نیا دور ہے۔

یہ ایک نیا دور ہے۔

یہ ایک نیا دور ہے۔

نماز کے فرائض اور وجہ ت

نماز کے فرائض پانچ ہیں۔ پہلا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ دوسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ تیسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ چوتھا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ پانچواں یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔

نماز کے فرائض پانچ ہیں۔ پہلا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ دوسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ تیسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ چوتھا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ پانچواں یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔

نماز کے فرائض پانچ ہیں۔ پہلا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ دوسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ تیسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ چوتھا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ پانچواں یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔

نماز کے فرائض پانچ ہیں۔ پہلا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ دوسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ تیسرا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ چوتھا یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔ پانچواں یہ کہ نماز کو پانچ وقتوں میں پڑھنا ضروری ہے۔

ہاں گزشتہ سال میں

وا۔ (۱) سورہ فاتحہ پڑھا (۲) سورہ قیامت پڑھا (۳) سورہ
یونس پڑھا (۴) سورہ قیامت پڑھا (۵) سورہ قیامت پڑھا (۶) سورہ قیامت پڑھا
لے میں چار سال (۷) سورہ قیامت پڑھا (۸) سورہ قیامت پڑھا (۹) سورہ قیامت پڑھا
امیت پر سنہ ۱۴۱۱ھ میں سورہ قیامت پڑھا (۱۰) سورہ قیامت پڑھا (۱۱) سورہ قیامت پڑھا
۱۱۱) سورہ قیامت پڑھا

تعبیر یہاں سے لے کر اس کے بعد کے سالوں میں

سورہ قیامت پڑھا (۱۲) سورہ قیامت پڑھا (۱۳) سورہ قیامت پڑھا (۱۴) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۱۵) سورہ قیامت پڑھا (۱۶) سورہ قیامت پڑھا (۱۷) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۱۸) سورہ قیامت پڑھا (۱۹) سورہ قیامت پڑھا (۲۰) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۲۱) سورہ قیامت پڑھا (۲۲) سورہ قیامت پڑھا (۲۳) سورہ قیامت پڑھا

سورہ قیامت پڑھا

سال ۱۴۱۲ھ میں سورہ قیامت پڑھا (۲۴) سورہ قیامت پڑھا (۲۵) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۲۶) سورہ قیامت پڑھا (۲۷) سورہ قیامت پڑھا (۲۸) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۲۹) سورہ قیامت پڑھا (۳۰) سورہ قیامت پڑھا (۳۱) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۳۲) سورہ قیامت پڑھا (۳۳) سورہ قیامت پڑھا (۳۴) سورہ قیامت پڑھا

سال ۱۴۱۳ھ میں سورہ قیامت پڑھا (۳۵) سورہ قیامت پڑھا (۳۶) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۳۷) سورہ قیامت پڑھا (۳۸) سورہ قیامت پڑھا (۳۹) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۴۰) سورہ قیامت پڑھا (۴۱) سورہ قیامت پڑھا (۴۲) سورہ قیامت پڑھا
سورہ قیامت پڑھا (۴۳) سورہ قیامت پڑھا (۴۴) سورہ قیامت پڑھا (۴۵) سورہ قیامت پڑھا

مثال کے طور پر چوہانوں کی پند و چوہانیں۔ جس کا چوہان بازو دھڑکیا یا بجینے کو نہ ہوتا تھا۔
یہ چوہان سر پہ چوہان تھا۔ چوہان جیٹھ، چوہان کھانڈ، چوہان سینہ، چوہان پیٹ۔
پہلے اور کپڑوں کا ایک کمرہ۔

سوال: اگر دینا پوچھ لے کر چھوڑ جائے تو اس سے تھیں پانی تم میں نہیں ضرور تو کیا ہے؟
 جواب: ایسی مجبوری کی صورت میں معافی ہے، مگر عادت سے بچنا ضروری ہے،
 یعنی اگر یہ میل نہ لے کر چھوڑ دیا جائے۔ جسے تو یہ شری مجبوری سے بھی دیکھ کر تھمت
 سے ساتھ نہ رہنے والا ہے۔

سواں اُبی سفر میں نے دیکھا ہے پاس تھوڑا سا پانی ہے۔ میں دیا ہے سے، خیر وہیں
 چم سے بھی تھوڑا سا دیر بھون بھی نہ رہا ہے اگر تھوڑا سا موت میں تو قوس ہے یہاں
 ہمیں بچا ہوا رہا کرتی ہے وہ چاہتا ہے کہ کبھی یہ جتنی اس صورت میں کیا ۔۔۔
 جو اب اس صورت میں رہا ہے۔ یہی صورت رہو نے بچے بھوکے لیے تھوڑے
 تھوڑے کے وقت کا دھیان رہیں

حالِ نرسہ کے گہرے اندر پہنچی جس کی وجہ سے وہ بھی تو معصوم ہو گئی۔ جس وقت نرسہ نے اس
فتنی اس وقت نظر وقت شدہ، توجہ بدلتی ہوئی اس کی طرف کیا تو وہ یہ غصہ؟
تو یہ اس کی صورت کی فحاشی، جو وہ اس کی سے بدلہ لینا چاہتی تھی، اس کی قتل گشت
ہو گئی اور اس کی جگہ سے وہ قتل ہو گئی۔

ماں "میری ناک سے پچھلے مرنے پر ڈرنا دیکھیں؟"
 یہ سب ایسی صورت میں نہ ہو سکتی تھی۔ وقت آئے گا وہ پروا کرے گا کہ یہاں
 دھڑکاؤ ہو رہا ہے۔
 بیت کرتا۔

حوالی کی عمارت کے لیے رہبان سے نیت لیا، جس پر فرمایا ہے:

ماتہ کے لئے کہ وہ اپنے میں سے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے
 کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔
 اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔ اگرچہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

اس کے لئے کہ وہ اس کے لئے کچھ دے گا۔

قرآن شریف پڑھنے کا بیان

ہر آدمی کے لیے واجب ہے کہ وہ روزانہ پڑھ کر اپنے رب سے ملے اور اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے۔ اگر کوئی شخص روزانہ پڑھ کر اپنے رب سے ملے اور اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے، تو اللہ تعالیٰ اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے۔

قرآن شریف پڑھنے کے لیے پہلے وضو کرنا ضروری ہے۔ وضو کرنے کے بعد اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے۔ اگر کوئی شخص روزانہ پڑھ کر اپنے رب سے ملے اور اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے، تو اللہ تعالیٰ اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے۔

قرآن شریف پڑھنے کے لیے پہلے وضو کرنا ضروری ہے۔ وضو کرنے کے بعد اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے۔ اگر کوئی شخص روزانہ پڑھ کر اپنے رب سے ملے اور اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے، تو اللہ تعالیٰ اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے۔

قرآن شریف پڑھنے کے لیے پہلے وضو کرنا ضروری ہے۔ وضو کرنے کے بعد اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے۔ اگر کوئی شخص روزانہ پڑھ کر اپنے رب سے ملے اور اپنے دل سے اللہ کی حمد و ثناء کرے اور اپنے لیے اجر و ثواب کمائے، تو اللہ تعالیٰ اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے اور اسے اپنی رحمت سے نوازا کرے۔

پائین و باس کے لئے ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔

[illegible]

(۱) اگر کسی صورت سے نہ ملے جس سے وہ اپنے والد سے ملے
 نہ ملے اور نہ ہی اس سے ملے تو اس سے ملے اور نہ ہی اس سے ملے
 نہ ملے اور نہ ہی اس سے ملے تو اس سے ملے اور نہ ہی اس سے ملے

۱۵) سلطان علی گڑھ کے ایک مدرسہ میں ایک پھر یہاں سے
میں ایک کتاب کے تحت یہ لکھا ہے کہ "یہ مدرسہ
میں ایک مدرسہ ہے جس میں ایک مدرسہ ہے جس میں
۱۶) ایک مدرسہ ہے جس میں ایک مدرسہ ہے جس میں
۱۷) ایک مدرسہ ہے جس میں ایک مدرسہ ہے جس میں

[illegible]

گوشه

مجلس شورای اسلامی - تهران

[illegible]

۱۳۱- حضرت علیؓ نے فرمایا کہ جو شخص اپنے
 ۱۳۲- ...
 ۱۳۳- ...
 ۱۳۴- ...

۱۳۵- ...
 ۱۳۶- ...
 ۱۳۷- ...
 ۱۳۸- ...
 ۱۳۹- ...
 ۱۴۰- ...

۱۴۱- ...
 ۱۴۲- ...
 ۱۴۳- ...
 ۱۴۴- ...
 ۱۴۵- ...
 ۱۴۶- ...
 ۱۴۷- ...
 ۱۴۸- ...
 ۱۴۹- ...
 ۱۵۰- ...

۱۵۱- ...
 ۱۵۲- ...
 ۱۵۳- ...
 ۱۵۴- ...
 ۱۵۵- ...
 ۱۵۶- ...
 ۱۵۷- ...
 ۱۵۸- ...
 ۱۵۹- ...
 ۱۶۰- ...

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

معاذ اللہ

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۱) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۲) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۳) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۴) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۵) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔
اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

(۶) اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے ہے کہ اس کے لیے ہے۔

عورتوں کو مل کر رہنا چاہیے۔

(۸) جد سے مل کر مردوں کی کہیاں زمین سے انجلی ہوئی ہوں اور عورتوں کی صدیاں زمین پر پھینچی ہوئی ہوں۔

(۹) مردوں کو جد سے مل کر دونوں پاؤں انگلیوں کے ملنے سے رکتے چاہئیں مگر عورتیں دونوں پاؤں اپنی طرف کو نکالیں۔

(۱۰) مردوں کو بائیں پاؤں پر بیٹھا چاہیے اور راستہ پاؤں و انگلیوں کے مل کر ہر ایک ۴ جگہ اور عورتوں کو دونوں پاؤں اپنی طرف نکال کر بیٹھا چاہیے۔

(۱۱) عورتوں کو کسی وقت ہندوؤں سے قرأت کرے گی یا نہ کرے گی۔ وہ وقت آجستہ اور نہ قرأت کرنے اور مردوں سے ہے بعض حالات میں اور نہ قرأت چاہنا اور چمپ سے اور بعض حالات میں چاہنا ہے۔

نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۲۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۳۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۴۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۵۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۶۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۷۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۸۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۹۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۰۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۱۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۲۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۳۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۴۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۵۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

۱۶۔ نماز کو فی سدیہ فکر و وہ بنائے و اے کام

میں نے جتنا ہے کئی بار اس کا نام لیا ہے
 آپ نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟

اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟

اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟

اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟
 اس کے لئے میں نے اس کے لئے کیا کیا ہے؟

وتر کا بیان

سوال در کیا مطلب؟

جواب: اس پر جو "ا" پ کے بعد آتا ہے اس کا معنی "وہ" ہے۔ مثلاً "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 پڑھے۔ "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 سوال وتر کا کیا مطلب ہے؟

جواب: "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔

سوال: وتر کا کیا مطلب ہے؟

جواب: "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔
 "وہ" کے بعد "ا" آئے گا۔

اللہم انما نسئلك ومستعترک ومومن بک امتی

"اے اللہ! ہم تجھ سے دعا کرتے ہیں کہ تجھ سے ہماری باتیں تیرا حق ہیں اور تجھ سے

علیک وثنی علیک اللہم ومسکوک ولا مسکوک ومسلح

تجربہ جو کہ میرا دل سے گزرتا ہے وہاں سے کہیں نہیں

میں نے یہ سب یاد کیا

وہ لوگ ہیں جو کہ ابھی تک یاد ہیں وہی ہیں

میرے دل میں کہیں سے کہیں سے وہی ہیں وہی ہیں

وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں

• ایک سچی بات ہے کہ وہی ہیں وہی ہیں

• وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں

• وہی ہیں

• وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں

• وہی ہیں وہی ہیں وہی ہیں

سنت اور نفل نمازوں کا بیان

سوائے سنت کی وہی نفل ہیں۔

۱۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۲۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۳۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۴۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۵۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۶۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۷۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۸۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۹۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۰۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۱۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۲۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۳۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۴۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

۱۵۔ نماز میں ۱۱ رکعت (۲۱ رکعت)

قضاء نمازوں کا بیان

سہولتیں دینی ہیں۔ یہ سہولتیں سب سے پہلے دی جائیں گی۔

۱۔ اعلیٰ درجہ کی تعلیم حاصل کرنا۔
 ۲۔ اعلیٰ درجہ کی تعلیم حاصل کرنا۔
 ۳۔ اعلیٰ درجہ کی تعلیم حاصل کرنا۔
 ۴۔ اعلیٰ درجہ کی تعلیم حاصل کرنا۔

[illegible]

یہ ہے کہ غلامی اور غلاموں کی حالت پر غور کرنے سے ہمیں یہ معلوم ہوتا ہے کہ غلامی ایک ایسی چیز ہے جو انسان کی آزادی اور انسانی ہمت کو ختم کرتی ہے۔

سلاطین کی فوجوں پر حملہ کیا، ان کے سر قریب لے کر آئے اور ان کے
 سرے سے ہلاک کر دیے۔

یہ سب کچھ سن کر پادشاہ نے اپنے وزیر کو حکم دیا کہ ان
 کے قتل کے لیے تمام فوجیں روانہ کرے۔ وزیر نے حکم لے لیا اور
 فوجیں روانہ کر دیں۔ پادشاہ نے ان کے قتل کے لیے تمام
 فوجیں روانہ کر دیں۔

یہ سب کچھ سن کر پادشاہ نے اپنے وزیر کو حکم دیا کہ ان
 کے قتل کے لیے تمام فوجیں روانہ کرے۔ وزیر نے حکم لے لیا اور
 فوجیں روانہ کر دیں۔ پادشاہ نے ان کے قتل کے لیے تمام
 فوجیں روانہ کر دیں۔

یہ سب کچھ سن کر پادشاہ نے اپنے وزیر کو حکم دیا کہ ان
 کے قتل کے لیے تمام فوجیں روانہ کرے۔ وزیر نے حکم لے لیا اور
 فوجیں روانہ کر دیں۔ پادشاہ نے ان کے قتل کے لیے تمام
 فوجیں روانہ کر دیں۔

پیارے کی نماز کا بیان

اولاً یہ کہ ہر دن صبح میں صبح پانچ بجے اور شام میں چار بجے
 نماز کا وقت ہے۔ جس وقت کہ تم نماز کرو گے۔ اس وقت کہ تم
 میں سے کسی ایک کو بھیج دو۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے
 لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔

اور اگر تم میں سے کسی ایک کو بھیج دو۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔

اور اگر تم میں سے کسی ایک کو بھیج دو۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔

اور اگر تم میں سے کسی ایک کو بھیج دو۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔
 اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ
 تمہارے لیے دعا کرے۔ اور اس کو کہہ دو کہ وہ تمہارے لیے دعا کرے۔

— — — — —

— *Chrysomelidae* —

1. $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$
 $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$
 $\frac{d}{dx} \frac{1}{x^2} = -\frac{2}{x^3}$
 $\frac{d}{dx} \frac{1}{x^2} = -\frac{2}{x^3}$
 $\frac{d}{dx} \frac{1}{x^2} = -\frac{2}{x^3}$
 $\frac{d}{dx} \frac{1}{x^2} = -\frac{2}{x^3}$

1. 在 1950 年 10 月 1 日以前，
 2. 在 1950 年 10 月 1 日以后，
 3. 在 1950 年 10 月 1 日以前，
 4. 在 1950 年 10 月 1 日以后，

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

۱۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۲۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۳۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۴۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۵۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۶۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۷۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۸۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۹۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔
 ۱۰۔ وہ جس سے ہم نے کلمہ پڑھا ہے وہ کلمہ ہے۔

وہاں پہنچ کر وہ پہلے پہلے دیکھ کر

اس کے ہاتھ میں لکھی ہوئی کتاب دیکھ کر

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

—

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

—

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

اس نے کہا کہ یہ کتاب تو ان کی کتاب ہے

یہ ہے

پہاڑ کی صورت میں ہی حال ہی میں یہ چلتی رہے اور وہ ہر صورت میں
میں تہذیب پر ہے۔

میں نے یہ سمجھا ہے کہ یہ ہے۔

جو آپ نے دیکھا ہے۔

سوال: اگر مسافر نے جو اسے سے چار تھیں، وہ ہیں، یہ ہے۔

جواب: میں نے اسے دیکھا ہے، یہ ہے۔

ہوئی، اگر یہ ہو کر چھوٹی ہو، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

جواب: ایسی صورت میں وہ مسافر نہیں ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے۔

جواب: ایسی صورت میں رات میں وہ تھا، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے، یہ ہے۔

۱۹۸۷ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

میں

۱۹۸۸ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۸۹ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۰ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۱۹۹۱ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۲ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۱۹۹۳ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۴ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۵ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۱۹۹۶ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۷ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۱۹۹۸ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۱۹۹۹ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۲۰۰۰ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۲۰۰۱ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۲۰۰۲ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۲۰۰۳ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۲۰۰۴ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۲۰۰۵ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

۲۰۰۶ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت
۲۰۰۷ء میں شہر کے مختلف حصوں میں پانی کی قلت

”یہ تو چاہئے کہ ہوتا ہو۔ چھوٹا“

سوئی شکر دین میں اہل شیعہ کے ماریہ میں جو پہلی۔ میں سزا جائے تو یہ
فکرم ہے؟

جواب: ایسی صورت میں نماز میں محرم چاہے اور نہ فدیہ صرف۔

سوال: کیا عورت ایسی نماز رکعتی ہے؟

جواب: شریعت میں محرم کو مساف میں جو پہلی سو۔ حتیٰ کے نیک بہتر میں۔

شرعی عبادت میں مسافقت بعد بنانا ہوتا ہے۔ کے غیر سفر میں درست نہیں ہے۔ اگر محرم
کے صبر مقرر ہوئے تو عبادت میں عبادت کے عبادت میں عبادت ہے۔

حس محرم و نذرانہ میں صلی علیہ وسلم کا ذکر کیا جائے شریعت میں پندہ میں نکاح ہے

محرم کے ساتھ بھی عبادت میں عبادت ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر

میں نے اس کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر
 میرے دوستوں کے لئے ایک خاص مقام چنا ہے۔ یہاں پر

ہو گیا یا نہیں اور طریقہ شائع ہو گیا تو اب رُخوتہ کا کیا حکم ہے؟

جواب: اللہ کو درودت میں رکنا چاہیے ہوگی۔

سوال: اگر جواب میں شائع کر لیا یا نہیں کرے، یا تو اب رُخوتہ کا کیا حکم ہے؟

جواب: اس صورت میں جتنی رُخوتہ والے رُخوتہ تھے، وہ وہاں تک کہ جس کوئی چاہے، پڑے گی۔

سوال: اگر اس پر اور کتنے سے بعد کسی نے اپنا سارا مال صدقہ یا خیرات کر دیا تو رُخوتہ کا کیا حکم ہے؟

جواب: اس صورت میں رُخوتہ حلال ہوگی۔

سوال: اگر آدھا مال شائع ہو گیا ہو تو آدھا مال باقی ہے تو کیا حکم ہے؟

جواب: اس صورت میں جتنا مال شائع ہو گیا، اس کی رکعت حلال ہوئی اور بقیہ مال باقی ہے اس پر رُخوتہ کرے۔

سولہ سو کے دلوں میں جسے قمر کا لیلۃ النہر کا پھر ادا ہے یہ ہے
سے تشریف لیا مرقاۃ باہر جیسے ہے

بسم الله الرحمن الرحيم

۴۔ انہوں نے یہ بھی فرمایا کہ یہ سب باتیں جو کہ انہوں نے کہی ہیں وہ سب سچ ہیں۔

جواب اس پر ہے کہ انہیں یہ دیکھنا چاہیے کہ ان کے پاس کیا ہے۔

سہ ماہیہ میں جس باب میں "نئے نئے" کے لفظ کا استعمال ہوتا ہے؟
جواب اس میں بھی تبد کے لفظ کا استعمال ہوتا ہے۔ یہ لفظ تو محض
نئے نئے کے لئے ہے۔

جس پر پستہ ہے، اسے ہم شفا دے دیے۔

ماہنامہ "صحف" کے مدیر صاحب کی خدمت میں
میں نے یہ خط لکھا ہے کہ کیا وہ اس کے لئے

عالم باطنی خوب گوشت و دم یا قتی رُ سے روئے وں کے لئے
مطاب سے لے آئی ہے

وہاں تک کہ وہ اپنی ایک ٹیم کو یہ مقررہ طے کر دے کہ وہ ۱۰

ہاں! کوئی قسم کا فائدہ اس کا حال سے نہیں ملتا تھا۔ وہ اپنے آپ کو بے بسی میں محسوس کرتا تھا۔ یہاں تک کہ اس نے اپنے آپ کو بے بسی میں محسوس کیا۔

[illegible]

میں سے ملے۔ پھر وہ اپنے ساری ساری محنت سے مجھے قسماً دے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

وہ میری طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

میں نے اس کی طرف سے اس کی طرف سے اس کی طرف سے

جو اب یہ ساری باتیں اس کی طرف سے اس کی طرف سے

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$$

— 2 —

[illegible][illegible]

Journal of Interpersonal Violence 26(10)br/>© The Author(s) 2011
Reprints and permissions:
<http://www.sagepub.com/journalsPermissions.nav>

10. *Journal of the American Medical Association*, 1990; 263: 1025-1028.

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = - \frac{1}{\rho^2} \frac{d\rho}{dt}$

$$A \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} B \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} C \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} D \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} E \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} F \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} G \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} H \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} I \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} J \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} K \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} L \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} M \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} N \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} O \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} P \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} Q \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} R \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} S \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} T \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} U \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} V \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} W \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} X \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} Y \xrightarrow{\text{H}_2\text{O}} Z$$

نہیں ہو سکتا ہے۔

$$u = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 \\ 0 \end{pmatrix} \quad \text{and} \quad v = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 0 \\ 1 \end{pmatrix}$$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]
$$= \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right)^2 = \frac{1}{4}$$

Journal of Interpersonal Violence 26(10) 1978-1997
© The Author(s) 2011
Reprints and permissions: <http://www.sagepub.com/journalsPermissions.nav>

[illegible]

Figure 1. The effect of the concentration of the *Agrobacterium* suspension on the transformation efficiency of *Agrobacterium* strains. The number of transformed cells was determined by the number of colonies obtained on the selective medium. The results are the mean of three independent experiments. Error bars represent the standard deviation.

سوال: ان دونوں مسائل کو حل کیجیے۔

جس کو کہاں لے کر گئے وہیں بھیجے، مگر اس کے نام پر اس شخص کے پاس
 میں اس کے پاس پر جو اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۱) اس شخص کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۲) اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۳) اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۴) اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۵) اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

(۶) اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے
 اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے اس کے پاس سے

کوئی صورت شریعت میں۔ نہ اور جس حال میں چاہے بھی قیمت کے ہیں۔

سوال اگرچہ مجھے لکھے، لی کے پاس بہت سی کتابیں ہیں وہ کس حالت میں ہیں؟

جواب یہ سرورہی مکان میں داخل ہیں۔

سوال اگر کسی کے پاس وہ چار کتابیں ہیں جن کو کرایہ پر دیتی ہے۔ ان کی وصولی سے

نہارا ہوتا ہے۔ سب غرضی ہو جاتا ہے کہ اگر گھر کے خریدا گیا ہو۔ یہ سب سے آگے دیتی ہے

تو یہ اسے ذوقی رقم دینا درست ہے؟

جواب جی ہاں اگر ایسی حالت کے اندر اس کے پاس کوئی یہ مال بھی نہیں کہ جس پر

ذکوۃ واجب ہوتی ہے تو اسے ذوقی رقم دینا درست ہے۔

سوال اگر کسی کے پاس بھاری بھرے ہوئے ہیں یا رقم سوچ سے شریعتی نہیں ہیں

سے نقد کا ترش دلوں سے یا اپنے غنیمت کو ذکوۃ کا پیرہن ہوگا؟

جواب جی ہاں ایسے شخص کو ذکوۃ کا پیرہن دینا درست ہے۔

سوال اگر کسی شخص کے ہندو سے تم کا قصہ ہو کہ تو یہ سب ذوقی رقم دیتی چاہتے ہو؟

جواب اگر کسی صورت میں نہ بلکہ ہاں۔ کہ اگر ترش دلوں کے ہندو سے روپے بچتے

میں ان کے روپے نہیں جن پر ذکوۃ واجب ہے تو اس کو ذوقی رقم نہیں دینی چاہی

سے۔ اور نہ ہی چاہی۔

سوال اگر کسی شخص کی یہ سب ہو کہ گھر میں نہ ہو۔ جو میں نہیں ہو میں ایسا اتفاق ہوا

کہ اس کے پاس ہرچیز رہتی رہا۔ مثلاً اس کا سرکاری چوری ہو گیا۔ کوئی سب بچے نہیں

ان کے گھر کے بچے کا گھر سے ختم ہو گیا تو کیا اپنے غنیمت کو ذکوۃ دینا چاہی؟

جواب جی ہاں۔ ایسے شخص کو ذکوۃ دینا چاہی۔

سوال اگر حج کے خرچ کے خرچہ اور ہندوستان میں کوئی صورت پیش نہ کی

حالی ذکوۃ دینا درست ہے؟

جواب جی ہاں۔ حال ہی میں حالت میں ذکوۃ دینا درست ہے۔

ساری یا کھوٹا لپٹا کی کامروا یا بزم چیتا

جوت کی نہیں دیا کا پیر، کسی کو کوہ نامہ نہیں سنا ہاں وہ ہے اس میں
نے فتح ہدیہ ۵۰ تیرہ دوڑے دیں قریب صلوٰۃ صبر و تو ہے

ساری مائیں ساری قہر و تیرہ دوڑے دیں قریب صلوٰۃ صبر و تو ہے

یہ بے بی باں، ہم سب ساری صبر، دیکھا کہ بیچارہ علی صبر نہ
وہ بزم چیتا کی بزم ہے

ساری بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

ساری بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے
بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے
بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

بزم چیتا کی بزم ہے بزم چیتا کی بزم ہے

جاکر میں اور ان کے گھر کی بات ہو گئی وہ جیسا کہ پہلے چودہ سال میں یوں نہ ہو اگر یہ لوگ
میرے نہیں تو کون ہو گا؟ یہ سب سے

سوال آیا تو ان کا جواب تھا کہ میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میرے لیے بہت کم ہے، یہ وہی ہے جو میرے

سوال کا جواب تھا کہ میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میرے لیے بہت کم ہے، یہ وہی ہے جو میرے

تو اب نئی بات سیدھی تو تھی کہ میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

اور میں یہ سمجھتا تھا کہ میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

کی طرف سے میری زندگی میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس کے ساتھ رہا ہوں، وہاں سے یہ فائدہ

میں اس طرح کے پتوں پر نظر پڑا کہ بہت سے پتوں پر تو ریشمی ٹیڑھوں کو رکھ کر لکھیا ہے کہ وہاں سے

جوت کی اس اٹنی عجیب و غریب دنیا ہے
سور اور عجوبت کو اس میں ملتی ہیں سے امید ہے، جب تک کہ اس میں
شور و غوغا نہ ہو کہ اس کے لیے تو یہ فکر

یہ کہ کیا صورت میں وہ ہے اس میں وہاں وہاں اور کوہ پہاڑوں
سور اور اور اس میں ہوا، میں کوہ کوہ اور وہاں وہاں سے وہاں وہاں
وہاں میں وہاں وہاں سے وہاں میں وہاں وہاں سے وہاں وہاں سے وہاں وہاں سے
جوت اس میں وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

ہوئے۔ ان کو اپنے سے بڑی عبادت کی حمد ادا کرتی ہوئی ہے

سوال : زکوٰۃ اور صدقہ شریف اور عیوہ ہے وقت سب سے زیادہ ترجیح کن لوگوں کو دینا چاہیے

جواب : سب سے زیادہ اپنے دوستوں کا حلیہ دیکھنا چاہیے۔ پہلے ان میں کون سے چاہیے کسی میں؟ نہ ہاں میں؟ بہت زکوٰۃ کا حیرت انگیز وہ برادر نہیں۔ نہ بیٹ شریف۔ کسی کی بہ رشتہ داروں کو حیرت دینے کے۔ اور سب ان سے ایک ذریعہ اس لیے کہ دوسرے اپنے رشتہ داروں کے ساتھ حسب سلاطین کے

ان کے بعد ان کی کاموں میں مصروف و کشتار ہیں۔ ان کے طلب اور کام دین کو دینا چاہیے کہ ہر ذریعہ سے زکوٰۃ بھی اور ان کی پوری اور شاعت میں حصہ لینے کا شوق بھی دیکھنا

سوال : جس شہر میں رہائش دہی کرنے کو چاہو تو زکوٰۃ دینے میں سے دوسرے شہر میں بھی بھیج سکتے ہیں؟

جواب : ایک شہر سے دوسرے شہر میں زکوٰۃ بھیجنا محمود ہے۔ دوسرا اگر رشتہ دار دوسرے شہر میں مسکن ہو یا اپنے شہر میں ہے۔ دوسرے شہر کے مسکنوں کو زیادہ ضرورت مند ہیں یا اپنے شہر کے مسکنوں کے دوسرے شہر کے مسکنوں کے کام میں دھکیلے ہوئے ہیں تو ان کو زکوٰۃ کا پیہ بھیجنا محمود نہیں ہے

صدقہ فطر

۱۔ صدقہ فطر کیا ہے ؟

۲۔ صدقہ فطر کی مقدار کیا ہے ؟

۳۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۴۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۵۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۶۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۷۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۸۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۹۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۰۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۱۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۲۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۳۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۴۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۵۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۶۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۷۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۸۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۱۹۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

۲۰۔ صدقہ فطر کی کیا اہمیت ہے ؟

سوائے ان کے باقی وہ جو صدمہ سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے
صدمہ ڈھونڈ رہے تھے۔

جواب ان کے صدموں میں دیا گیا تھا کہ ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے

ہاں! شہر کے ہر صدمہ کو ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے

ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے

ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے

صدقۃ الفطر کی ادائیگی کا طریقہ کار

صدقۃ الفطر کے مسائل میں سے ایک یہ کہ اگر کوئی شخص غریب ہو تو

① صدقۃ الفطر کس پر واجب ہوتا ہے

اس بارے میں فقہاء نے مختلف فتویٰ دیے ہیں۔ بعض نے کہا کہ اگر کوئی شخص غریب ہو تو
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے
ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے ان کے دل میں غم سے گزر رہے تھے

نوٹ: 613 ہجری میں رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے (۱) ۱۰۰۰ (۲) ۱۰۰۰ (۳) ۱۰۰۰

کے لئے تجویز کیا

۲) تصرف تصرفی شد

تصرف تصرفی شد یعنی تصرفی که در آن تصرف کننده مال را تصرف کند و مال را تصرف کند و مال را تصرف کند

دلیل کما عادت دمکلیه



۳) روقه تصرفی شد

روقه تصرفی شد یعنی تصرفی که در آن تصرف کننده مال را تصرف کند و مال را تصرف کند و مال را تصرف کند

روقه تصرفی شد یعنی تصرفی که در آن تصرف کننده مال را تصرف کند و مال را تصرف کند و مال را تصرف کند

روزے کا بیان

سوال: شریعت میں روزہ کس وقت پڑھتا ہے؟

جواب: جب کہ روزہ کا وقت شروع ہوتا ہے اس وقت سے اسے روزہ پڑھنا چاہیے۔
وہ اس وقت تک اسے روزہ پڑھنا چاہیے جب تک کہ اسے روزہ پڑھنا چاہیے۔
وہ اس وقت تک اسے روزہ پڑھنا چاہیے۔

سوال: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

جواب: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

سوال: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

جواب: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

سوال: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

جواب: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

سوال: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

جواب: روزہ کس وقت پڑھنا چاہیے؟

وہ ایک سو دس تھی تو پھر دس سو تھے وہ دواؤں کا قصبہ کا درہ نہیں تھا
تھوڑے وقتوں کے بعد ہے

والی اس کی ہے بھئی کی چپ کے معراج لہذا وہ ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
میں اس کا ہاتھ ہے

اب جس کے مقول لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
میں تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
والی اس کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

وہ اس کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا
تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

تو یہ کہ لہذا کے ہر پہلو پر ہر جگہ میں تھا

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔
 میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ اپنے دل سے ہی لیا ہے۔
 میری زندگی میں یہ سب کچھ ہی ہے۔

تدو کے روزے کا بیان۔

سارے دن کی بے روہ سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

جو پانچویں سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا

وہاں سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

نور کا سنی نہ دہائی، دوسرا چو اگر بے سروں ہے۔

[illegible]

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]

۱۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۲۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۳۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۴۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۵۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۶۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۷۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۸۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۹۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔
 ۱۰۔ یہ کہ جس نے اپنے دل سے اللہ کی تعریف کی ہے وہ اللہ کی تعریف کرنے والے میں سے ہے۔

سال کیا رل جو میں نے دیا ہے مگر میں نے خود سے نہیں لیا ہے۔

جائے قیام کے لئے یہاں سے لاٹھیاں لے کر

۱۱) در صورتی که

ساریٹ تو ایسا ہی آیا ہے کہ جوں جوں اس کا مذاق ہو جاتا ہے وہ اس کے ساتھ یہ سارے
کے ساتھ وقف ہوتا ہے۔ میں یہ کہہ کر ہنس رہا تھا کہ یہ سارے سارے ہنس رہا تھا کہ یہ سارے
ہنس رہا تھا کہ یہ سارے ہنس رہا تھا کہ یہ سارے ہنس رہا تھا کہ یہ سارے ہنس رہا تھا کہ یہ سارے

(۲) ترجمہ سے ایک سہ ماہی کی طرف سے (۲) سے چھ مہینے قبل
درود گئے کا بھی۔ مترادف ہے۔ حدیث پاتے۔ مطلقاً اس سے "ش" کے ساتھ۔

[illegible]

(۱) اپنا شمارہ روپے دو مہینے مجھے "سرسا" کے نام پر دینا چاہیے۔

(c) نوبل کے لیے منتخب ہونے والے شخص کی عمر 35 سال سے زیادہ ہونی چاہیے۔

(۱۶) یہی وجہ ہے کہ یہاں پر بھی وہی سادہ سادہ اور سلیس زبان ہے۔

چند روز بعد میری بہن کا انتقال ہو گیا۔ میری بہن کی وفات کے بعد میری زندگی میں ایک نیا دور شروع ہوا۔

(۷۱) ایسے ہی ہر مہر۔ جس پر روئے ہوئی ہو پائے علیٰ ہدیہ عالمی ماب
 شہر میں ہے جو: وہی رہے ہو اس کا جس سے: —

۱۰۔ مجبوراً میرے دل کو تیری طرف پھرنے سے مجھے
بے اختیار ہوتا ہے۔

[illegible]
$$A_{\text{eff}} = \frac{A}{1 + \frac{A}{A_0}} \quad (1)$$
$$- \frac{1}{\pi} \int_0^{2\pi} d\theta' \left[\frac{\partial}{\partial \theta'} \ln |z - z'| \right] = 0$$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

1000 1000 1000 1000

جواب: اگر روزہ دیا تھا تو نوٹ کیا تھا اور ہرپ سے کفارہ واجب نہیں

سوال: اگر خود ہی تھے ہو گئی تو روزہ کا کیا حکم ہے؟

جواب: اگر ایسی صورت پیش آئی تو روزہ نہیں پڑا۔ چاہے تھوڑی سی فتنہ ہوئی ہو یا زیادہ۔ ایتہ اگر چاہا ہو چھ لڑا پچھتیا سے تے کی اور وہ کچھ نہیں تو روزہ ٹوٹ گیا اور اگر نہ پچھرتے تے ہوئی تو روزہ نہیں پڑے گا۔

وضاحت: منہ کچھ تے یہ ہے کہ وہ کسی سے بھی نہ رہے۔

سوال: اگر تھوڑی سی فتنہ ہوئی اور ٹوہن حلق میں لوٹ گئی تو کیا حکم ہے؟

جواب: ایسی صورت میں روزہ نہیں پڑا بلکہ اگر جان بچا جائے تو کسی حلق میں لٹنے سے روزہ نہ پڑتا ہے۔

سوال: کسی سے ٹکری یا لڑے کا ٹکڑا۔ فتنہ ہوئی یا بی چیز لٹائی جس کو حایا نہیں جاتا اور

بھی میں کوٹھوڑا۔ متولی نہ جاتا تے۔ ایسی صورت میں روزہ نہ پڑتا ہے؟

جواب: جی ہاں! ایسی صورت میں روزہ توٹ جاتا ہے البتہ قضاء واجب نہیں پڑتا۔

سوال: اور اگر لڑائی کی چیز لٹائی جس کو ٹکڑا نہ ہو اور پڑھاتے تو نہیں نہیں بطور واسطے

اس میں کی حالت ہے تو کیا حکم ہے؟

جواب: ایسی صورت میں روزہ نہ پڑتا ہے اور قضاء کفارہ نہیں پڑتا۔

سوال: اگر وہ تھوڑی سی فتنہ ہوئی اور ٹکڑا نہیں پڑا۔ روزہ نہ پڑتا تو غسل کیا

تو یہ روزہ نہ پڑتا؟

جواب: جی ہاں! اس صورت میں روزہ نہ پڑتا بلکہ اگر وہ بھی غسل نہ کیا تب بھی روزہ

پڑتا۔ البتہ غسل میں تاخیر کرے گا نہ دھوئے گا۔

سوال: اگر وہ میں سوئی اور کوئی ایسا جواب دیکھا جس سے غسل کرنے کی ضرورت

پیش آجاتی ہے تو کیا روزہ ٹوٹ جاتا ہے؟

دراستہ نہیں لائیں سے روز و نوٹ کیا۔

سوال۔ کیا روز و نوٹ کی طاسب میں یہاں بیرونی کا ساتھ دینا، انھیں لکھا، جو یہاں موجود
درست ہے؟

جواب۔ یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔

سوال۔ کیا یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔
جواب۔ ان سب صورتوں میں، روز و نوٹ جاتا ہے، انھیں صرف لکھا جائے۔
کے کفار، جب بھی

جہاں کیا کتب میں پائی جائے، ان سے بھی روز و نوٹ جاتا ہے؟

جواب۔ نہیں، ان میں پائی جائے، ان سے روز و نوٹ جاتا ہے۔

سوال۔ کیا یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔

جواب۔ یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔
جواب۔ یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔

سوال۔ کیا یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔
(گٹھ) اندر پائی گئی تو کیا میں سے روز و نوٹ جاتا ہے؟

جواب۔ نہیں، ان میں پائی جائے، ان سے روز و نوٹ جاتا ہے۔
درستی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔

سوال۔ کیا یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔
درست ہے؟

جواب۔ یہ سب درست ہے، انھیں (جو بیرونی کا جوڑش ہو کہ ان کی باتوں سے صحبت فرمے گا
نہی نہ ہو کہ یہاں، چاہیے کہ۔

میں نے کہا کہ میں نے یہ سب کچھ تم سے پہلے کیا تھا۔ یہ سن کر

میرا دل بے اختیار کانٹا بن گیا۔ میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے
 سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے: "میں نے یہ سب کچھ تم سے پہلے کیا تھا۔"

یہ سن کر میرا دل کانٹا بن گیا۔ میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے
 سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے: "میں نے یہ سب کچھ تم سے پہلے کیا تھا۔"

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

میں نے اسے دیکھا کہ وہ اپنے سر پر ہاتھ رکھ کر کہتا ہے:

[illegible][illegible][illegible]

نہیں دیجاتے اور وہ راہ چلے اس بات پر

— *Journal of the American Medical Association*, 1997

[illegible]
$$A^2 = \begin{pmatrix} 1 & 0 & 0 \\ 0 & 1 & 0 \\ 0 & 0 & 0 \end{pmatrix}$$
$$m = \frac{1}{\sqrt{\pi}} \int_0^\infty \frac{e^{-t^2}}{t} dt$$

چو اب تک بال! ال مسورتہ صریحی روزہ + سیدہ —

تاریخ و جغرافیہ و تاریخ و جغرافیہ

[illegible]

1. The first step is to identify the problem. This involves understanding the current situation and what needs to be changed.

۱۔ کھانسی اور سعال کا علاج : کھانسی اور سعال کے لیے کھجور کے پتوں سے تیل بنایا جائے۔
 ۲۔ کھانسی اور سعال کا علاج : کھجور کے پتوں سے تیل بنایا جائے۔
 ۳۔ کھانسی اور سعال کا علاج : کھجور کے پتوں سے تیل بنایا جائے۔
 ۴۔ کھانسی اور سعال کا علاج : کھجور کے پتوں سے تیل بنایا جائے۔

واللہ اعلم بالصواب

[illegible]

دہلی میں ۱۸۵۷ء کی بغاوت کے بعد، برطانوی حکومت نے ہندوستان میں ایک نیا انتظامیہ قائم کیا۔ اس نئے انتظامیہ کے تحت، ہندوستان کو چھ صوبوں میں تقسیم کیا گیا۔ ان صوبوں میں سے ایک صوبہ بنارس تھا۔ بنارس صوبہ کے قیام کے بعد، بنارس کے لوگوں نے اپنی اپنی حکومتیں قائم کیں۔ ان حکومتوں میں سے ایک حکومت بنارس کی تھی۔

۱۔ اگر کسی نے ایک سو روپے کا مال بیچ دیا تو اس کا مالک اس مال کے بدلے میں ایک سو روپے کا مال لے سکتا ہے۔
۲۔ اگر کسی نے ایک سو روپے کا مال بیچ دیا تو اس کا مالک اس مال کے بدلے میں ایک سو روپے کا مال لے سکتا ہے۔
۳۔ اگر کسی نے ایک سو روپے کا مال بیچ دیا تو اس کا مالک اس مال کے بدلے میں ایک سو روپے کا مال لے سکتا ہے۔
۴۔ اگر کسی نے ایک سو روپے کا مال بیچ دیا تو اس کا مالک اس مال کے بدلے میں ایک سو روپے کا مال لے سکتا ہے۔

[illegible]

میں نے اس بار کے مجھے کسی اور افسانہ کا بھی نام دیا۔ اس بار
میں نے تمہارے افسانے کا نام دیا، جسے تم نے دیا ہے۔
میں نے تمہاری بات کو سمجھا دیا۔

۱۔ اے مومن! تم میں سے جو شخص کو تمہارے لئے نصیب ہو گیا ہے وہ تمہاری ذمہ داری ہے۔

وہاں پہنچ کر وہ نے جھپٹ کر دل سے اب چل کر کے بھر دودھ ریت پر
 تھک کر لیٹیں۔ سچ سے پیٹے کی جھڑپ تھی۔ یہ بھر دودھ ریت پر
 اب صدمہ کی سروراجی ہو رہی تھی۔

سب مردانہ دل کوئی سسلیاں بنیں۔ ان کے ہاتھ تھک گئے
 وہاں اس کے ہاتھ تھک گئے۔ یہ وہاں جھڑپ کے پتے تھے۔ ان کے ہاتھ
 بھر چکی تھیں۔ اب اس کے

ہوا۔ آج اور نہ کیا دماغ نے کچھ میری طرف سے کیا۔" (۱۹۹۰ء، ص ۱۰۱)

جوانی کی زندگی میں یہ سب کچھ دیکھ کر وہ سب سے پہلے اپنے گھر والوں کو بتا دیتا ہے۔

۱۔ اگر ایک شخص کو دیکھ کر دوسرے شخص کو شک ہو تو اسے اس شخص کے بارے میں تحقیق کرنا چاہیے۔

[illegible]

جواب میں مسموث ہو کر فرمایا کہ: "میرا یہ قیامت ہے تا قیامت"۔

سوال: اگر کسی عرصہ و صدقہ کا حق ہے تو کیا کرے؟
 جواب: کسی صورت میں عرصہ و صدقہ نہیں دے گا۔
 سوال: اگر عرصہ و صدقہ میں کوئی غلطی ہو جائے تو کیا کرے؟
 جواب: اگر کوئی غلطی ہو جائے تو اسے فوراً دیکھ کر دیکھ کر دے گا۔

[illegible]

بے چہرا۔ ہمارے لیے ترقصہ سے خزانہ برور و کافی ہے۔ وہاں رمضان کے بعد تقصیر
کی آواز اس کا۔ درمیان بھی شہری ہوتا

حج کا بیان

۱۲۔ اُن نے جو کتابیں پڑھیں

جواب قرآن وحدیث میں فتح فی بہت نعمت ان کے رہا۔ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا: "جو حج اٹھائے اور عمرہ کرے اسے ہائیکہ میں کا جوار دے مت اسے سو اور پانچ" ہمیں سے اسی عمرہ پر تھی۔ اسے اب کا کھانا دے چاہیے جس سے اللہ اسے ملے۔

جس کی دھڑکن دلوں پر تھکی ہوئی تھی۔ اس نے اپنے لیے بڑی مسرت کا ہے۔ انصاف سلیکھ
 علیہ السلام نے فرمایا: "حشر خلیفوں کے پاس تھا۔ پڑھنے اور لکھنے کا یہاں انتظام ہو گا۔ اس سے وہ دست
 ہر شے میں شہت پائے اور جہاں بھی وہ لکھنے سے توجہ دے گا وہاں سب سے بہتر لکھنے والے ہوں گے۔
 تو ان کو ان کی جگہ پر رکھیں گے۔ اور ان کو فرمایا: "مائدہ ۱۱۱ عامہ میں یہ بھی ہے
 کہ جس کا علم ہو دلوں سے اور نہ ان کے دلوں سے اس سے حج فرض ہے۔"

جواب میں حور نے — پاپا! یہ دوست ہے۔ وہ بد اپنا، شرور کا! اتنا شرچہ مانتے
ہے۔ یہ — وہ — اچانک پھینکے گا شرچہ کی گلی ست ہووایں پرنے حور نے — حکام سے ہو چر
رہی تھی ایک مرتبہ — مانتی تھی —

۱۔ غلاموں سے زیادہ فطرتاً ہی انسان کے لیے آزادانہ زندگی اور آزادی کا حق ہے۔
۲۔ انسان کو خدا کے سامنے جوابدہ بنانے کے لیے اس کو آزادی کا حق ہے۔
۳۔ انسان کو خدا کے سامنے جوابدہ بنانے کے لیے اس کو آزادی کا حق ہے۔

ہیں۔ ایک وقت پر ان کا دوست نے عرض کیا کہ اگر وہ
 اب دوست کے پاس سے ملے تو ان کو یہ بات کہہ دے کہ
 دوستوں کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب یہ بات کہہ دے کہ

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے
 اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے
 اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے
 اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

اب ان کو یاد ہے کہ ان کے پاس سے

संस्कृत-विज्ञान-संज्ञा-सूची
 संस्कृत-विज्ञान-संज्ञा-सूची
 संस्कृत-विज्ञान-संज्ञा-सूची
 संस्कृत-विज्ञान-संज्ञा-सूची

قربانی کا بیان

— ۱۲۰ —

[illegible]

حضرت یونس (ع) کی اللہ عزوجل سے دعا ہے کہ یہ ساری باتیں قلوب پر چھوڑ کر ہم سب کو اللہ تعالیٰ کی رضا و رغبت سے ہمیشہ ہمیں رہنا چاہیے۔ آمین۔

$$-\frac{1}{\mu} \left(\frac{\partial^2 u}{\partial x^2} + \frac{\partial^2 v}{\partial y^2} \right) = -\frac{1}{\mu} \nabla^2 u = -\frac{1}{\mu} \left(\frac{\partial^2 u}{\partial x^2} + \frac{\partial^2 u}{\partial y^2} \right)$$
[illegible][illegible][illegible]

نتیجه‌گیری

در این پژوهش، با استفاده از روش‌های آماری، داده‌های مربوط به عملکرد تحصیلی و اجتماعی دانش‌آموزان در دوره ابتدایی، مورد بررسی قرار گرفت. نتایج نشان داد که تفاوت معنی‌داری بین گروه‌های مختلف وجود دارد. همچنین، با توجه به یافته‌ها، می‌توان نتیجه گرفت که عوامل مختلفی در عملکرد دانش‌آموزان تأثیر دارد. این یافته‌ها می‌تواند به معلمان و والدین کمک کند تا با در نظر گرفتن این عوامل، در بهبود عملکرد تحصیلی و اجتماعی دانش‌آموزان، اقدامات لازم را انجام دهند.

در نهایت، پیشنهاد می‌شود که در تحقیقات آینده، به بررسی عوامل دیگر و تأثیر آنها بر عملکرد دانش‌آموزان، توجه بیشتری شود.

سپاس از خداوند متعال و تشکر از هیئت مدیره و معلمان

مدرسه ابتدایی نمونه، شهرستان تهران، به خاطر همکاری و فراهم کردن امکانات لازم برای انجام این پژوهش.

همچنین، تشکر از داوران محترم که با بررسی و تصدیق این مقاله، به انتشار آن در مجله علمی - فرهنگی، کمک کردند.

در پایان، باید به این نکته اشاره کرد که این پژوهش، تنها یک مطالعه مقدماتی است و نیاز به تحقیقات بیشتر و عمیق‌تر در این زمینه، احساس می‌شود. امید است که نتایج این پژوهش، به عنوان یک نقطه شروع برای تحقیقات آینده، مورد استفاده قرار گیرد.

در نهایت، با توجه به اهمیت موضوع و نیاز به بهبود عملکرد تحصیلی و اجتماعی دانش‌آموزان، امید است که این پژوهش، به عنوان یک گام مثبت در مسیر تحقیقات آموزشی، مورد توجه قرار گیرد. همچنین، با توجه به محدودیت‌های این مطالعه، پیشنهاد می‌شود که در تحقیقات آینده، به بررسی عوامل دیگر و تأثیر آنها بر عملکرد دانش‌آموزان، توجه بیشتری شود.

در نهایت، با توجه به اهمیت موضوع و نیاز به بهبود عملکرد تحصیلی و اجتماعی دانش‌آموزان، امید است که این پژوهش، به عنوان یک گام مثبت در مسیر تحقیقات آموزشی، مورد توجه قرار گیرد.

وہ سب کچھ کہہ کر اٹھ کھڑی ہوئی۔ وہاں سے
وہیں چلی گئی۔

نوبت وہیں تک پہنچ گئی کہ وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر
وہاں سے وہاں تک پہنچ کر وہاں سے وہاں تک پہنچ کر

جہاں رہے۔

گو کہ وہ سوچتے تھے کہ وہ اپنے لئے کچھ کر سکتے ہیں۔
تو وہیں وہ رہے۔

پھر وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔

تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔

تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔
تو وہیں رہے۔

حقیقہ کا بیان

ہاں تمہارے ہیں۔

۱۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۲۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۳۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

ہاں تمہارے ہیں۔

۱۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۲۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۳۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۴۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۵۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۶۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۷۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۸۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۹۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“
 ۱۰۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

ہاں تمہارے ہیں۔

۱۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

۲۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

۳۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

۱۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

۲۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

۳۔ آپ نے فرمایا ہے: ”میں نے اپنے لیے کوئی چیز نہیں چاہی۔“

سب گھبراوے دور رشید و رکھنٹے میں اسی طرح بھڑکے کوشش تھی۔ سب شہرہ ہی ملتے
تھے۔ کال پیہرا اور وہی خبر وہ سب کے لیے سا عامیہ تھی۔

اس میں محض کے نام کا کوشش۔ بنا کے وقت پر کیا تھی، یہاں سے
جو سب چاہے۔ اس کو مے جو پشیمور مری کے اس میں جو اس کو مے جو پشیمور
مے جو پشیمور

میں مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور

جو کوشش گھبراہٹ میں رہے۔ مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور

جو کوشش مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور

مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور
مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور کے کوشش سے جانور مے جو پشیمور

قسم کھانے کا بیان

میں نے یہ سنا ہے کہ قسم کھانے کا

بہت بڑا پتہ ہے۔ جو اس کے

(۱) ہے۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

بہت بڑا پتہ ہے۔

(۲)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۳)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۴)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۵)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۶)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۷)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۸)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۹)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۰)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۱)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۲)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۳)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۴)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۵)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۶)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

(۱۷)۔ اس کے بارے میں اس نے کہا کہ اس قسم کھانے کے

قسم کے کفارے کا بیان

سوال: اُسی نے قصہ: اولیٰ تو اس کا کفار کہا ہے؟

جواب اس کا تھا کہ یہ ہے کہ وہ اس کی قسمت دے دے۔ "وہ جس فقیروں کو کچھ دے دے۔" یہ کہ وہ اس کی قسمت دے دے۔ "وہ جس فقیروں کو کچھ دے دے۔"

حلال اور حرام چیزوں کا بیان

ہمارے گویا، مجھے جاوے میرے کہناں تو نہیں ہے؟

جواب جو باور و چمد ہے تو کہہ : اتنے ایسے سے دور ہے چاندلوں کا شکار
کر کے تھمتے رہتے ہیں مان کا ٹھکانا جو کھر سے مجھے غیر بھیڑیہ کہیں، اسی تہا ہر
شکر ہر چھوٹے سے

”جس پادشہ نے اسراف کی گئی ہے اس کا کھانا بھی، سب سے نیچے نوکریں،
 جو وہ بقیہ کے خیر، مہربانی، بخشش کی بنا پر لوگوں کو دے چکا، سب سے نیچے۔“

۱۰۔ اس طرح کی کھجور پھل سادہ لہو لہو کرنے کے لئے کھانے کے قابل ہے۔
۱۱۔ اس میں جو نیل رنگتیں ہوتی ہیں وہ لہو لہو کرنے کے لئے اور زیادہ قابل ہے۔
۱۲۔ اس طرح کی کھجور میں جھنجھوٹا لہو لہو کرنے کے لئے قابل ہے۔

۱۔ جو کوشش ہم دیکھتے ہیں اور گنتا ہے کہ کسی مسلمان نے قرآن کو روایات سے
بے خبری و غفلت سے مستثنیٰ ہے۔

والوں سے پوچھو اور یہ کہ کمانچہ کیسی ہے؟

جواب طوطہ: میں کہتا ہوں یہ سچ ہے، مرنے پر پتہ نہ ملے گا۔ میں اسے فرشتوں کے
بھینسوں کے ساتھ لیتا ہوں۔ یہ چاروں عقیدوں کا حلال جاننے والا ہے۔ میں ہنسنے سے
ان باتوں میں سب سے پہلی حلال ہے۔ میں ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے
نہیں ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے
ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے ہنسنے سے

لباس اور پردے کا بیعت

٢٤

سہل گوشتوں کے لیے اس طرح کا پکا ایسا ہی رہے۔ اس طرح وہ
جوانہ سلا۔ کب پر بھیجے گا۔ پھر وہ انہی میں سے جو حلقہ و
پیشہ کار میں سے ہو گا اس طرح اس کا یہاں ہونا چاہیے۔ جس حد تک شہر میں
کچھ سلا ہی ہو۔ یہ ہے۔ ایسا ہی ہے۔ اس کے لئے اس میں اس کے لئے
کچھ ہے۔ اس کے لئے اس میں اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے
اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے
اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے اس کے لئے

سول خودوں اور ان کے تارکین کے ساتھ ساتھ
 جات میں رہا کرتا تھا۔ وہ اپنے تارکین کے ساتھ
 جس طرح کے تعلقات رکھتا تھا۔

میں نے ان کو بلا کر اپنے پاس بلوایا اور ان سے کہا کہ تم میرے پاس آ جاؤ۔ میں تم کو یہ سب بتاؤں گا۔

542

سوال نمبر ۱۰: ایک شخص ۱۰ سالہ بچہ کو اپنے گھر سے باہر لے گیا۔

— 272 —

[illegible][illegible][illegible][illegible]

1. *Pharmaceuticals* (1997) 10, 11.

1. *Chlorophyll a* (Chl *a*) is the primary photosynthetic pigment in most plants and algae. It is a green pigment that absorbs light energy in the blue and red regions of the visible spectrum.

$$x_{ij} = \begin{cases} x_{ij}^0 & \text{if } i=j \\ 0 & \text{otherwise} \end{cases}$$

[illegible][illegible][illegible]

پانچواں باب

تربیتِ اولاد

(پانچواں باب تربیت و تادیب)

| | | |
|-----|------------------------|----|
| ۲۵۵ | تادیب و تربیت کے احکام | ۱۰ |
| ۲۵۶ | تادیب و تربیت کے اصول | ۱۱ |
| ۲۵۷ | تادیب و تربیت کے وسائل | ۱۲ |
| ۲۵۸ | تادیب و تربیت کے نتائج | ۱۳ |
| ۲۵۹ | تادیب و تربیت کے فوائد | ۱۴ |

تربیت کرنے والے کی بنیادی صفات

(۱) اخلاص

میرا پیار بہت بڑا ہے۔ میں نے جو کام کیا ہے اس میں میرا مقصد ہے کہ
 یہ بچہ اچھا ہو، جو اچھے انسان بن سکے۔ میں اس کو اچھا بنانے کے لیے
 کوشش کرتا ہوں۔ میں اس کو اچھا بنانے کے لیے کوشش کرتا ہوں۔

(۲) شہادت

میں نے سب سے پہلے یہ سیکھا ہے کہ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔

— چٹیا

(۳) علم

میں نے سب سے پہلے یہ سیکھا ہے کہ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔

میں نے سب سے پہلے یہ سیکھا ہے کہ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔
 سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔ سچا ہونا ہے۔

برو حیدر و امیر علی و حبیب

میرے لیے تو "دوست" کے لہجہ میں ہے۔ میں "کائنات" کے لیے ہوں۔ ہمارے ہر
 ہر چیز میں "دوست" کے لیے شے ہے۔ ہر شے میں جو اس سے تعلق ہے
 ہمارے ہر شے میں ہوا ہے۔

لا يذهب اليها جلد دلد خیر من - یسقی به

آئی ہے۔ یہ ہے کہ تم کو کھانا اور سارا سامان ملے گا۔

٤ جامع الحديث والذخيرة العلي من ادب حسن

نہایت پرستش کے ساتھ کہہ رہا تھا۔

قرآن مجید میں عبادت و ارشادات کی روشنی میں مسلمانوں کی زندگی

مجلسی، ۱۳۸۱، ص ۱۰۸

مقررہ سال کے لئے سب سے زیادہ سہولت دینے والے سال

مجلس الشورى

[illegible][illegible][illegible]

— *Journal of the American Medical Association*

۱. ایتھنز، یونان ۲. طاق، یمن، عربیہ

$$u = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right)^{\frac{1}{2}} = \frac{1}{2} \quad \text{and} \quad v = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right)^{\frac{1}{2}} = \frac{1}{2}$$
[illegible]

- (۲) بچے میں عقل و شعور پیدا ہونے پر سب سے پہلے اسے حلال و حرام کی قیہ سکھانے
 (۳) سلت، ہلال کی عمر ہونے پر بچہ کو پوجا و ناکہ سکھانے اور قرآن کریم کی تلاوت سکھانا دی طلب۔
 (۴) بچہ کو رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم اور آپ کے نقل و حرکت و سوانح پر گہری محبت تھمائے۔
 ۲ اختلافی تربیت کی ضرورت ہے۔

اخلاقی تربیت سے مراد وہ تمام اخلاقی باتیں اور مسنونہ اعمال ہیں جنہیں عینیت اور
 بچپن کے مابین کامیابی بنانا چاہیے اس لیے ضروری ہے کہ مذہب وہ بچے پر کڑی اور
 عملی زندگی میں مددگار ہو جسے یہ تمام اچھی باتیں اس میں موجود ہوں۔

چنانچہ حوائج اس بات کی ضرورت ہیں کہ بچپن سے ہی بچوں کو چنانچہ، دیانت، ایمان
 مصیبت زدہ، انوکھی زندگی، بڑوں کے احکامات پر انہوں نے انرا ہمہ پند و سیوا سے واقف
 ہونا اور ان کے ساتھ محبت سے پیش آنے کا کامیابی مابین ان کے دل و زبان کو کلمہ
 نکالنا، یہ ایسا سہل سہل کا نظام ہے کہ ان کے دل و زبان تمام چیزیں ہیں۔ یہاں میں جو حقیقی
 کی نگرانی اور برائی سے کی جا رہی ہے۔

بچوں میں پالی جائے والی چار برائی باتیں

۱۔ باپ، بھائی اور سہیلیوں کے ناموں پر بدنامی ڈھکنا کہ وہ بچے کو اس چار باتوں کی بد
 نامی سے بچائے گا خاص خیال رکھیں

۱۔ جھوٹ ۲۔ چوری ۳۔ گستاخانہ اور بدنامی ۴۔ بد چوری اور بدنامی

(۱) جھوٹ بولنے کی عادت

جھوٹ بہت بری چیز ہے اس لیے ماقول چاہیے کہ بچے کو اس سے بچانے کا بہت
 زیادہ خیال رکھیں۔ اس کی عادت لانے والوں میں ہرگز ایسی بات نہ کہ جس وقت کی اس معنی
 بدنامی سے بچے کو بھروسہ نہ ہو چاہیے۔

مگر یہ بھی معلوم ہو گیا کہ یہ علم ہے جو میں نے جوچا ہے اس نے اسے مدد دی ہے، اس لیے
میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔
میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔
میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔
میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

آپ اس کو مدد دیں گے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

(۲) میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔ یہی ہے جو میں نے اسے مدد دی ہے۔

۲۔ سن سکتے

۲۔ پھر وہ انھوں نے پتھر سے ایک بڑا سا ٹکڑا نکالا اور اسے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے اور اسے
 اس میں کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے

۳۔ یہاں پہلے ان کے پاس ایک بڑا سا ٹکڑا تھا اور اسے
 اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 اور اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے

۴۔ یہاں پہلے ان کے پاس ایک بڑا سا ٹکڑا تھا اور اسے
 اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 اور اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے

(۱) یہاں پہلے ان کے پاس ایک بڑا سا ٹکڑا تھا اور اسے

۵۔ یہاں پہلے ان کے پاس ایک بڑا سا ٹکڑا تھا اور اسے
 اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 اور اس نے کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے
 کھینچ کر دیکھا تو اس نے کہا کہ یہ ایک بڑا سا ٹکڑا ہے

تہاں ہوا، ریلوے کے کمرے میں جو کچھ رہا، پڑا، پھینکا، سب کچھ
ان کے لئے رہا تھا۔

پندرہ سو کے قریب بھیج دیا، ۱۹۱۱ء میں ریلوے کے محکمہ میں
جا بھرا، ریلوے کے محکمہ میں، کچھ عرصے کے پٹنہ میں رہا، پھر
بہار میں رہا، کچھ عرصے کے

بھارت میں رہا، کچھ عرصے کے، پھر یہاں
آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں
آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں
آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں
آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں آئی تھی، کچھ عرصے کے، پھر یہاں

۲۔ جس وقت مجھ نے اس سے کہا تھا

”مجھے تم پر کسی قسم کی شکوکہ نہیں ہے۔ یہ سب باتیں تم نے اپنے دل سے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“^۱

”میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“^۲

”مجھے شکوکہ نہیں ہے۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“^۳

۳۔ وہ بھی اور کا۔ جس نے کہا تھا

”یہ کسی شکوکہ نہیں ہے۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“^۴

۴۔ ان لوگوں سے مشابہت کی گمان

”یہ کسی شکوکہ نہیں ہے۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“^۵

۱۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“

۲۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔ میں نے اس سے پہلے اس کو دیکھا تھا۔ تم لوگ تیار ہو جاؤ۔ یہ سب باتیں تم نے کہی ہیں۔“

(۱) یوں وہ اس شخص کو قتل کر کے ہرگز نہ دے گا۔

(۲) پھر اس کو عوام کی خدمت سے پیوستہ کر دے گا۔

(۳) پھر تحقیقات کر کے اس کو مرگے ہوئے حالت میں دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

(۱) تحقیقات کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

اس شخص کو قتل کر دے گا۔

تاریت سے کیا ملے گا کہ وہ نہ پوچھا گیا کہ وہ کون
غیرت اور حساس علم

۱۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے جو علم کی طرف سے ہے
سارے کیمیا اور کون کون ہیں اس طرح سے کہ اس نے خود کو کسی دیگر بھی
نہ سمجھا کہ وہ کون کون ہیں اس لیے کہ اس نے

۲۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۳۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۴۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۵۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۶۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں
وہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۷۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۸۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۹۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۱۰۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۱۱۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۱۲۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

(۱۳) یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

۱۴۔ یہ کہ وہ ایک بڑا بڑا ہے کہ وہ کون کون ہیں

سے تیار کیا گیا۔ اس لیے کہ یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے
 اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

(۲) اپنی صحت و تندرستی

اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے یہ سب کچھ اس لیے تھا کہ اس کے لیے

ہیں کھانچے، ماریں، تھپڑ، فی اور فرضی بلاؤں کا وسیع دستہ برا۔

۱. کھانا پکانے والے گیس کے لیے ضرورت ہے کہ وہ گیس کے لیے جسٹس ہو۔

- مجھے کوئی ٹیٹ تھمک رہے اور گھر کی دھڑواہ کے پیچھے چھپے گا یا وہ نہ

جیوں، مجھ کو، اور چاروں کی غرض کہتیاں :-

اس لئے کہ وہ کسی نہ کسی طرح سہا ب میں رہنا مشہد سے دور کر رہے ہیں۔ یہ ہے مظلوم کیے جاتے ہیں۔

بچوں کی بات عامتہ والے خوب دبا دے کسی مرضی کا علاج کرنے کے لیے متعدد

۱۔ ایسے قوس، خیال، وقت، بہت کم ہوتے ہیں۔

● مجھے نو روٹوں سے نہ پہچان اس پر توکل اور ہر پیش آنے والی چیز پر اللہ

میں نے سب سے پہلے ان کی تربیت دینا چاہی تھی۔ ان ایماں حلقوں نے

میں بچی پر اور راجہ کو اس روحانی و عرفی خیالات کو عام بنادیا جائے تو وہ بھی ممکن ہے۔

بوقتِ قیامت مرد و زن کا اندازہ کسی کی عیب و کمالات سے ہوگا۔

[illegible]

• بچے پر خصوصی مہم و معاہدہ کی پالیسی کے تحت کمرے میں لے آئے۔

کے لئے تھا۔ یہاں پر یہاں پر

ۛ۔ عیسیٰ وحن بھوت، توٹیں، چیرے ذاکہ، شیخ کے بغیر دے نہیں سکتا، وہ پاپ

[illegible]

وہ نے بل شہر پہنچا دیا اور حیرت کے ساتھ مانتا پر رہا ہے جیسے

یہ سب مصلحتیں ہم اور قیام کے قاپڑے امراض اللہ عظیم کی پرکاشات سے بنا چلتی ہیں۔

کے بغیر کوئی شے اور پھر کسی نہ سمیت ہے کا اہتمام کرنا چاہیے تاکہ شفتوں میں !

اسلام کے پیغمبر صلی اللہ علیہ وسلم اور ان کے پیروں کی زندگیوں کی مثالیں

مسلمانوں کا رکنہ کرے۔ ہوتے

(۲) اس کثرت کی بنا پر

کچھ کاموں کا اہتمام ہونے کے لیے ہر ایک کی اپنی اپنی ذمہ داری ہے جو اس کے
بچوں کی پرورش ہے۔ اور اس میں ہر ایک کی اپنی ذمہ داری ہے۔ اس کے لیے ہر ایک کو اپنی
ذمہ داری ادا کرنی ہے۔

۱۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی
ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔

۲۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی
ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔

۳۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۴۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۵۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۶۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۷۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۸۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۹۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۱۰۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۱۱۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

۱۲۔ ہر ایک کو اپنی ذمہ داری ادا کرنی ہے۔ یہ ہر ایک کی ذمہ داری ہے۔ ہر ایک کو اپنی

نہ وہاں سے بھی محبوب بول دے تو تمام بھینٹ محبوب کے لئے۔ مگر پکارنے میں
وہ اندر وہ بے چہرے ہمارے انیس مرتبہ بھی پھرتے رہے تو ہم اسے ملا کر سے تھے
میں اور اندر وہ اپنا چھوٹی لیکن نے ماتھے سے چالاک سے پیپ بھیجے لے تو تمام "مکارتہ"
کے قے ہیں اور اندر وہ اپنے والدین سے قہر نکالے تو ہم سے پھر سے
پکارتے ملتے ہیں اور اندر ہم اس سے پچ کا کھانا نکلتی اور اولاد لانے دسم سے
"سنت" کے کام سے پکارتے ملتے ہیں اور اس طرح سے یہی چلتی چلتی غلطیوں سے
بہتر چلیں اور سب سے اولوں سے ملنے شروع ہو گئے۔

ہر سہ ماہ میں بچے کے اوقات میں سوکھ کا ایک طریقہ بھی ہے کہ بچہ
اس کے بہن بھائی اور شہداء اور اہل بیت کے ہاتھوں سے ملے بھی
کا پسندیدہ اور نہ ملے۔ پانچواں آج بھی "مجلس اوقات" کی باتیں نہ ہوں گے سامنے
بھی یہ رہیں جو نہ ہائی ہیں جہتیں بچے سے ملے بھی دیکھا جی نہیں ہو۔ خود سے کار
صورتوں کا بچہ یہ لکھ کر بچے اپنے آپ پر نہیں ہو گیا۔ بہت دیر میں لکھے گئے گا۔ اس نے وہی
حیثیت پہنچا۔ اور یہ قیاس اس کی وجہ سے بچے میں اس غیبی پیچیدگیوں سے
"جانی" میں وہی وجہ سے وہ وہی وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے
اور اپنے آپ کو وہی وجہ سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے وہاں سے

کے لئے یہ بات معلوم ہوتی ہے کہ یہ بچہ بچہ بچہ کے ساتھ اپنا حال ملوک
رہے ہیں تو ان کی یہ غلطی ہے۔

ہم جانتے ہیں کہ ہم سے بچے کے ہاں پھر سے وہی میں دفرمانی ہو رہی ہے
ہو اپنے ہاں تو اس سے سعادت دفرمانی ہو رہی ہے۔ اس سے وہی ہو رہی ہے
میں سے ہے۔

ہے اپنی امت پر امتداد اور غرور جو

آمران سوا میں کانجو سہکس میں ہے

تو پھر وہاں نہ بچے گئے کہ سے زیادہ تار کیوں اٹھائے ہیں اس کی پرورش، دے کھا
میں نے کہا ہے جس اور بچے سے صورت سے دوا دے جالا ہے وہ ہیں نہ کہ ہیں

۱۔ رہائش گاہوں میں لپکتے ہیں بچے کا صورت سے زیادہ خیال کر دے۔ یہ گستاخی
درست ہے کہ۔ ہم بڑے بگڑا ہوئی سے بچے سے بچے پر بگڑا کر، بچے کو۔ امت سے بچے
و گئے سے بچے اور اس کے ہمارے اس کے ہمارے کو امتدال کی حد سے بچے

یہ بہت خطرناک بات ہے اور اس سے ہم اس کے ہمارے ہمارے سے بچے
کی اساتذہ سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے
مطالعہ کر رہے ہیں

۲۔ بچے اور بچے کی بھی اپنا ہمارے ہمارے ہمارے سے بچے اور
کبھی ہیں کہ اس کا یہ روئے بچے سے ہمارے ہمارے اور اس سے بچے اور اس سے

۳۔ اس خطروں سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے
اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے
ہمارے سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے

۴۔ اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے
بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے

۵۔ اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے
بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے
بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے بچے اور اس سے

میں نے پچھانے کے لئے اسے ایک طرف سے دیکھا، وہ مجھ سے
میں نے کہا۔

اسا جی جی نے کہا کہ اسے اس کے پاس دیکھو، وہ اس پر اپنے لئے جیتے ہیں
اب اس کو لے جی جی جی جی

اس جی جی کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے
اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے، اس کے پاس رہتا ہے

ہیں۔ یہ طریق ان کا فرض ہے بھی ہے کہ وہ اس بات کی پوری دشمنی کریں کہ میں کی تمام اوقات میں محبت، بھائی چارے اور مہربانی کی روح جلو کرے جو تاکہ وہ نیست و بیدار، بیکے محبت و عدل و احسان سے بھر پور دلوں کے سامنے میں حریص، مدق کر رہیں

✽ جسم کے کسی عضو کا نہ دیکھا گیا تھا کہ ہوگا

یہ بھی ان چیزوں میں سے ہے جو سچے میں عیسائی بنا رہیں، انہی میں سے اس لیے کہ عام طور سے اس کا اثر حساس مغربی اور مغربی سے غربت کی شکل میں نکلا ہے۔

آخر، انکو سنہ پچھن سے ملنے کے کوئی جسمانی نقص انہی میں سے ہے۔ مثلاً بھیکاروں اور پانہ بازوں کو اپنا عقائد اور پٹے میں رہان کا صاف نہ ہونا تو ایسی صورت میں مناسب رہتا ہے کہ اس کے اثر و رسوخ، بہت بھائی چارے دار چاہی، دوست اور اہل، پہلے سب کے سب اس کے ساتھ محبت و الفت انہی، اچھے حلاق اور شریفانہ برہان کا اظہار کریں اور اس کی تکروری کا احساس نہ ہوئے دیں، اور اس کی زندگی اجیرن نہ رہے۔

✽ سچے کا شہیم ہونا

یہ بھی سچے میں عیسائی بنا رہے کرے کا ایک سبب ہے، خصوصاً اس صورت میں جب وہ ایک معاشرے میں جو انہی میں شہیم کا خیال نہ تھا، یا جو اس کے فکروں کا بدلہ لانا چاہتا ہو اور اس کی طرف شفقت و محبت اور بھائی چارے کی فکر سے نہ رہتا جا رہا ہو۔ اسی چیز کو سامنے رکھ کر اسلام نے شہیم سچے کا بہت زیادہ خیال رکھنے کا حکم دیا ہے اور اس کے ساتھ اچھے یہ ۱۲ اور اس کی ضروریات رہائی سے پورے کرنے کا بہت اہم کام ہے تاکہ وہ اولیٰ کا سبب انسان بنے اور وہ قادر ہو کر رہے۔

✽ غربت

بہت جیسے آئینوں میں ہے اور یہ والدین کو بتاتے اور بچے کو مدد ملے اور وہ خود کی کفایت

میں نے تو وہ ساری باتیں کہیں پڑھیں ہیں۔ یہ سو سو بار میں نے اس پر غور کیا ہے۔
 سو سو بار۔ خداوندی بات ہے جس کا یہاں کہیں نے نہ سمجھا ہے۔ پھر اس سے مراد نہیں
 ہے کہ جب میں اس پر غور کرتا ہوں تو مجھے اس کی عظمت کا احساس ہوتا ہے۔
 لیکن اس سے مراد یہ ہے کہ جب میں اس پر غور کرتا ہوں تو اس کی عظمت کا احساس ہوتا ہے۔
 یہاں پر اس کا ذکر کیا ہے۔

اسلام نے کائنات کو جو دین سے بنا ہے

۱۔ انسانیت کے لئے ہے۔ ۲۔ یہ دنیا بھی ہے۔

اسلام نے انسانیت کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ
 انسان کے لئے تیار کیا ہے۔ یہ تو اس کے لئے ہے۔ اس کے لئے ہے۔ اس کے لئے ہے۔
 اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ
 تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ
 تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ
 تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ
 تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

(۱) انسانیت کے لئے ہے۔

اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

تیار کیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے کائنات کو بنا دیا ہے۔ اس میں اس نے انسان کے لئے جو کچھ

حاصل ہوا جس سے قیاس کے خلاف وہ ماہی ظہور کے دل و پا پے۔ چپے قیاس سے
بہرے عکس کے نور۔ اور اس طرح انہوں نے لیا۔ جو پے کے نور۔ ساری برہم

۱۰۰ — چلے چلے یہ محسوس کیا کہ اس نے واقعہ میں اس کے لیے جسکی محنت کا رپہ سمجھا۔ اس میں وہ دلیرانہ کوشش نے کو وہ نتیجہ دیا۔ اس سے اس کی پوری فائز ہوئی۔ اس کی دلچسپی میں اس نے اس کی محنت میں۔

اللہ کے فضل سے یہ سب کام آج ہی مکمل ہو گئے۔ یہ سب کام جیسا کہ میں نے پہلے بتائے ہیں ان کے لئے صرف ایک سو سو روپے کی رقم کی ضرورت تھی۔

[illegible]

(۵) غصے کی روک

میرا لکھنا لایا یارن ہے جس سے جو پہنچے
چرا ادا ہے وہ ہماری۔ عہد ان سے سہا، بقیہ رہتی ہے

اس لیے میں تو یہاں پہنچ کر بدلتی خبر سے متعجب نہ ہو سکتا تھا کہ اس کی بے
پہلو طبع کا معاملہ ہے۔ جس کی بنا پر میں نے تمام کے کہہ دیا کہ یہ صرف ایک بے پیکر ہے
نہ اسباب سے پیدا ہوا ہے، نہ کہ شہر میں کھانا ہے۔ بہت افسوس ہے کہ میں جا

۱۰۔ اے مجھے کا جب یہ حرکت ہو گئی اس میں دل پاؤں کو سے ڈال دیا جتنا کہ وہ کسی
سور سے جس اس کا دھس کے دو فی رماں سے ہے ہاں آج انہی کے نکالے۔

۵۵۔ اور اگر غصے کا سبب بچے کا ہے۔ اور وہ آپ کی دیکھا دیکھی حد نہ کرے اور والدین کو چاہیے کہ وہ غصہ و زور و دھمکیوں اور دکانوں کا مظاہرہ نہ کریں اور جسے نئے وقت آپ بچہ پر میں کہ کر خود کو بچے کے لیے قاصد مثالی موند ملازمت کریں۔

۵۶۔ اور اگر غصے کا سبب مہجرت سے زیادہ، اور گھر سے نکالنا اور تنہائی و غربت میں پرورش رہنا ہو تو ماں کو چاہیے کہ وہ بچوں کی محبت میں حیران نہ ہو لے والوں پر جبری رہے میں سیاحند و قی و احیاء رہے۔

۵۷۔ معاشرتی تربیت کی دھندلاری۔

معاشرتی تربیت کا مقصد ہے کہ بچے کو شروع ہی سے ایسے ہی معاشرتی اور معاشری بنایا جائے جو اسلامی عقیدے اور فرائض ایمانی سے چھوڑ کر نکلتے ہیں تاکہ وہ معاشرے میں جس اخلاق و عصبہ بنیادی، عقلی و عقلی غرضیہ و حیثیت سے ایک بچہ بن کر رہے والدین پر عائد دے ا کی اور وہ یوں جس سے وہ معاشرتی نہیں لے سکے۔ معاشری اس تربیت کا جزو ہے جس کا ذکر پھر فرار چکے ہے۔ یہ کہنے کے لیے وہ چاہے بہ بچے کو حقوق کی اسٹی آدب کا خیال رکھتے ہو۔ اور وہ ان کے ساتھ چھوڑا ہوا ہے۔

والدین کو چاہیے کہ ان کے بچے پر بدو و بدو نہ کریں تاکہ ان کی عقل و عصبہ معاشری و بچہ کو نہیں اور ایک ایسے معاشرہ بنیاد کر سکیں جس کی بنیاد ایمان، اخلاق، معاشرتی تربیت اور انکی اسلامی اقدار پر قائم ہو۔

وہ وہی سے عقلی طریقے ہیں جو مسرین معاشرتی تربیت کا وہی ہے جیسا؟

ہاں۔ سلامتی نظر میں سچا ہیں۔

۱۔ بچہ میں تعلیمی اصولوں کو جاننا ۲۔ جہڑوں کے حقوق کا خیال رکھنا

۳۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

پہلی چیز: سیکس اسٹاپل + پیرا

۱۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۲۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۳۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۴۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۱۔

۲۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۳۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۴۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۵۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۶۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۷۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۲۔

۳۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۴۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۵۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۶۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۷۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

۸۔ میری بیٹی کے پاس سر سے پہنچاؤں تک ہے۔

$$= \frac{1}{n} \sum_{i=1}^n \left(\frac{\partial f_i}{\partial x} + \lambda \frac{\partial g_i}{\partial x} \right) = 0$$

6. قیمت بهاره

[illegible]
$$- \frac{1}{\pi} \int_0^{2\pi} d\theta' \left[\frac{\partial}{\partial \theta'} \ln |z - z'| \right] = \frac{1}{\pi} \int_0^{2\pi} d\theta' \left[\frac{\partial}{\partial \theta'} \ln |z - z'| \right]$$
[illegible]

Figure 1. The effect of the concentration of the H_2O_2 solution on the amount of the released H_2O_2 from the H_2O_2 -loaded hydrogel. The amount of the released H_2O_2 was measured by the amount of the released H_2O_2 from the H_2O_2 -loaded hydrogel. The amount of the released H_2O_2 was measured by the amount of the released H_2O_2 from the H_2O_2 -loaded hydrogel.

[illegible][illegible]
$$p_{\text{eff}} = \frac{p}{1 + \frac{1}{\beta} \ln \left(\frac{1}{1 - \beta} \right)}$$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

— — — — —

[illegible]

^a χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^b χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^c χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^d χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^e χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^f χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^g χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^h χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
ⁱ χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^j χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^k χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^l χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^m χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
ⁿ χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^o χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^p χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^q χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^r χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^s χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^t χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^u χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^v χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^w χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^x χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^y χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.
^z χ^2 = 1.02, df = 1, p = .315.

— *Journal of the American Medical Association*, 1997

— *Journal of the American Medical Association*, 1997

1. *Journal of the American Medical Association*, 1997; 278: 1039-1044.

—

^a Values are means ± SD.

۵۔ حق و باطل کے تقابلی

۱۔ حق و باطل کے تقابلی میں ہمیں حقوق پر تفصیلی روشنی دینا ہے جو کہ ہمیں چاہیے۔
 ۲۔ حق و باطل کے تقابلی میں۔

۱۔ والدین کا حق

حق و باطل کا سبب ہے والدین اور اولاد کے درمیان جو کہ وہ بچے کو والدین سے حاصل
 کئے ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 حق و باطل کا تقابلی میں۔ ان کے ساتھ اور سے والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 حق و باطل کے تقابلی میں۔

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں
 والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

والدین کے ساتھ اس لئے کہ والدین کے لئے جو حق ہیں اور والدین کے لئے جو حق ہیں

’ اسی کی کوئی بات پہلے دیوانہ پائی ہو گی کا ٹکڑہ ہے۔‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

’ سہ ماہی کے لیے ایک سہ ماہی‘

$$\begin{aligned}
 & \text{② 求 } \frac{1}{x^2} \text{ 的 } n \text{ 阶泰勒展开式} \\
 & \frac{1}{x^2} = \frac{1}{x^2} \cdot \frac{1}{1 - \frac{1}{x}} = \frac{1}{x^2} \left(1 + \frac{1}{x} + \frac{1}{x^2} + \frac{1}{x^3} + \cdots + \frac{1}{x^{n-1}} + \frac{1}{x^n} + \cdots \right) \\
 & \quad = \frac{1}{x^2} + \frac{1}{x^3} + \frac{1}{x^4} + \frac{1}{x^5} + \cdots + \frac{1}{x^{n+1}} + \frac{1}{x^{n+2}} + \cdots
 \end{aligned}$$
[illegible][illegible]

Figure 1

۵. رتبه بندی

[illegible][illegible]

صحابی بیعت چاہے گا، مہمستثنیٰ میں وہ آئیں گے۔ تاہم اسے اعلیٰ حکم ہے کہ وہ
 دوسرے لوگوں سے حقوقِ محمدیہ کے بارے میں گفتگو نہ کرے۔ یہی وہی ہے جو
 اسلامِ محمدیؐ کا ہے

۶۔ بڑے کا حق

بڑے سے مراد وہ شخص ہے جو آپؐ کے گھر میں بڑا ہو اور آپؐ کے گھر میں
 ملے ہوئے ہوں۔ اور عزت کس آپؐ کے ہے اور جو
 بڑوں کے خلاف سے بعد میں بنائیں گے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 مہمستثنیٰ میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

بڑوں کے حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

تمام کچھوں میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

کچھوں میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

بڑوں کے حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

بڑوں کے حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

بڑوں کے حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

تیسری چیز : یہی وہی ہے جو بڑوں کے

بڑوں کے حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے
 حق میں ہے۔ یہی وہی ہے جو بڑوں کے

و سے لکھو : ہاں نملی جی جنت کا راہ : سے دوسروں کے ساتھ اعلیٰ کا راہ
 بات اعلیٰ اور محو اعلیٰ : دوسرے میں اس : تھیں دشمنی :

پہنچی ہو شرفی : برے کے ہے : تا پڑا اب : یہاں پائیے

۱۔ عورت ہے اب : ۲۔ علم ہے اب

۳۔ اعلیٰ اب : ۴۔ اعلیٰ : ۵۔ علم ہے اب

۶۔ اعلیٰ ہے اب : ۷۔ اعلیٰ ہے

۸۔ پتھر ہو نانی ہے اب

۹۔ علم ہے پتھر ہے اب

۱۰۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۱۱۔ علم ہے اب

۱۲۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۱۳۔ علم ہے اب

۱۴۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۱۵۔ علم ہے اب

۱۶۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۱۷۔ علم ہے اب

۱۸۔ علم ہے پتھر ہے اب

۱۹۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۲۰۔ علم ہے اب

۲۱۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۲۲۔ علم ہے اب

۲۳۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۲۴۔ علم ہے اب

۲۵۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۲۶۔ علم ہے اب

۲۷۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۲۸۔ علم ہے اب

۲۹۔ علم ہے پتھر ہے اب

۳۰۔ علم ہے پتھر ہے اب : ۳۱۔ علم ہے اب

تھ۔ پہلی چہر میں پھر تک نہیں۔ ریل چاہیے

بہتر کو کچھ دیکھا جائے

سوئے اور چاندی کے برتنوں کا منظر سامنے ہے

پہلے کو پہلے پھر دوست نہیں

۲۔ سلام کے آداب

پہلے کو سلام کے الفاظ اور مضامین کا طریقہ سمجھنا

میں وہاں سر سے سلام کرنے سے روکنا جس میں بدمعاشیوں سے بچنا

مشاورت ہوتی ہے

۔ ماں باپ کو چاہئے کہ وہ ان کو سلام کرنے میں خود کس کو لیں

بچے کو سمجھنا چاہئے کہ سلام کرنے میں کس کو راست ہے اور غلط کا جواب دینا

و جہاں ہے۔

۳۔ اجازت۔ ٹھکے لئے زب

میں کے کمرے میں داخلہ دینے پر اجازت۔ جانا چاہئے۔ اجازت طلب کرنے کے لئے

کچھ زبانی طور پر کہہ سکتے ہیں۔ کچھ لکھی ہوئی ہے

پہلے سلام کرنا۔ پھر اجازت طلب کرنا

اجازت طلب کرنے وقت اپنا نام بتانا چاہئے

۔ اجازت میں یہ کہنا چاہئے کہ میں نے اجازت مانگا ہے

بہتر وہ ہے جو ان کو کس مضامین کا چاہئے

اور یہ طلب کرنے وقت دروازے سے کب طرف بہت جا چاہئے

ان کو مرہا اس وقت ملاقات نہ کر سکتا۔ اور وہ کس لئے جانا چاہئے

۱۰۔ دہلی کی تاریخ

دہلی کی تاریخ کی ابتدا ۱۲۰۶ء سے ہوتی ہے۔ اس وقت دہلی کی آبادی ۱۰۰۰۰۰ تھی۔ اس وقت دہلی کی آبادی ۱۰۰۰۰۰ تھی۔ اس وقت دہلی کی آبادی ۱۰۰۰۰۰ تھی۔

۱۱۔ دہلی کی تاریخ

۱۲۔ دہلی کی تاریخ

۱۳۔ دہلی کی تاریخ

۱۴۔ دہلی کی تاریخ

۱۵۔ دہلی کی تاریخ

۱۶۔ دہلی کی تاریخ

۱۷۔ دہلی کی تاریخ

۱۸۔ دہلی کی تاریخ

۱۹۔ دہلی کی تاریخ

۲۰۔ دہلی کی تاریخ

۲۱۔ دہلی کی تاریخ

۲۲۔ دہلی کی تاریخ

۲۳۔ دہلی کی تاریخ

۲۴۔ دہلی کی تاریخ

۲۵۔ دہلی کی تاریخ

۶. در این باره می‌توان گفت:

تصورات و عقاید مردم در این باره

بسیار متغیر و گوناگون است.

در بعضی موارد، مردم

به این تصور عمل می‌کنند که

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

که در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

۷. در این باره می‌توان گفت:

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

که در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

۸. در این باره می‌توان گفت:

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

در این باره، مردم به این تصور عمل می‌کنند

میں نے دیکھا ہے کہ وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

وہ لوگ جو کہ وہ لوگ ہیں

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

پہلے پہلے یہ تھا کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

۷ جنسی تربیت کی ذمہ داری

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

یہ ہے کہ جو شخص اپنے آپ کو دیکھتا ہے وہ اپنے آپ کو دیکھتا ہے۔

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١

١١١١ (١)

١١١١

١١١١

١١١١

۱۔ ایک جوتہ یہ تین صدائیں تھیں کہ ایک سے ایک شخص سے ایک سے ایک جوتہ لیا جاتا تھا۔

۲۔ ایک جوتہ یہ تین صدائیں تھیں کہ ایک سے ایک شخص سے ایک سے ایک جوتہ لیا جاتا تھا۔

۳۔ ایک جوتہ یہ تین صدائیں تھیں کہ ایک سے ایک شخص سے ایک سے ایک جوتہ لیا جاتا تھا۔

۴۔ ایک جوتہ یہ تین صدائیں تھیں کہ ایک سے ایک شخص سے ایک سے ایک جوتہ لیا جاتا تھا۔

۵۔ ایک جوتہ یہ تین صدائیں تھیں کہ ایک سے ایک شخص سے ایک سے ایک جوتہ لیا جاتا تھا۔

[illegible]

June 1964

۱۔ اعلیٰ درجہ کی تعلیم حاصل کرنے والے طلبہ کیلئے۔
 ۲۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۳۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۴۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۵۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۶۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۷۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۸۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۹۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔
 ۱۰۔ تعلیم یافتہ طلبہ کیلئے۔

[illegible][illegible]

۱. قیاسی استدلال

[illegible]

۱. مختصات:

[illegible][illegible]
$$m = \frac{2\pi}{\lambda} \quad (7)$$
[illegible]

وہیں میں محاسنِ حسنہ کی پوری پوری تصویر دیکھ رہا تھا۔ یہ تصویر
میں نے کبھی نہ دیکھی تھی۔ یہ تصویر مجھے اپنے دل سے مل رہی تھی۔
اور یہ تصویر مجھے اپنے دل سے مل رہی تھی۔

خود پر مہار، زیادہ شہادت ہے۔ اور یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ شخصیات میں سے ہیں

جو سب سے زیادہ شہادت میں ہیں۔ یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

یہ تو سب سے حق ہے۔

[illegible][illegible]

2000

$$u_{\alpha} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 \\ 0 \\ 0 \\ 1 \end{pmatrix}, \quad u_{\beta} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 0 \\ 1 \\ 0 \\ 1 \end{pmatrix}, \quad u_{\gamma} = \frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 0 \\ 0 \\ 1 \\ 1 \end{pmatrix} \quad (1)$$

— 2 —

...and ...

مجلس الشورى

© 2000 Blackwell Science Ltd *Journal of Internal Medicine* 247: 399–406

— — — — —

© 2006 Pearson Education, Inc. All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or by any information storage or retrieval system, without permission in writing from Pearson Education, Inc.

— *U. S. Fish and Wildlife Service*

$$= \frac{1}{\sqrt{\pi}} \int_{-\infty}^{\infty} e^{-t^2} dt = 1$$
[illegible]

6- 9- 24

[illegible]

—

[illegible]

— — — — —

[illegible]

ہائیں تم میں سے جو کہ اپنے لئے دنیا سے الگ ہو کر اللہ تعالیٰ کے احقر
تھے ان کی وراثت کی تفصیلات

اس میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں جو حدیثیں آئی ہیں ان میں سے
پہلی حدیث ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
پہلی حدیث ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

ایک کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

لایمیں لایمیں لایمیں لایمیں لایمیں لایمیں

کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے
کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے کہ ان کی وراثت کے بارے میں ہے

[illegible]

* Δ is the difference between the two values.

$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{2} m v^2 \right) = \frac{1}{2} m \frac{dv^2}{dt}$

[illegible]

Figure 1. The effect of the concentration of the *Agrobacterium* suspension on the transformation efficiency of *Agrobacterium* strains. The concentration of the *Agrobacterium* suspension was 10⁶ cells/ml (a), 10⁷ cells/ml (b), 10⁸ cells/ml (c), and 10⁹ cells/ml (d). The concentration of the *Agrobacterium* suspension was 10⁶ cells/ml (a), 10⁷ cells/ml (b), 10⁸ cells/ml (c), and 10⁹ cells/ml (d). The concentration of the *Agrobacterium* suspension was 10⁶ cells/ml (a), 10⁷ cells/ml (b), 10⁸ cells/ml (c), and 10⁹ cells/ml (d). The concentration of the *Agrobacterium* suspension was 10⁶ cells/ml (a), 10⁷ cells/ml (b), 10⁸ cells/ml (c), and 10⁹ cells/ml (d).

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

[illegible]

$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = - \frac{1}{\rho^2} \frac{d\rho}{dt}$

...the
... ..
... ..

... ..

میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔

میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔

میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔

میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔
 میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔

میں نے کہا کہ یہ باتیں بہت عجیب ہیں۔ لیکن یہ سب کچھ
 میری زندگی ہے۔

تو کہہ کر چلے گئے اور دوسرے کے ذوالے نکلتے۔ یہی سب شائع ہو رہے ہیں۔

یہ سادہ دل سوزنی کا طالعہ۔ وہاں پاپ بچا ہے نہایت بے حسد میں اسلام
نے جو طریقے حضورؐ نے میں پہلے انہیں آپؐ کو اپنا میں اس کے بعد بچوں کو مل گیا تھیں
اور یہ حال آپؐ کے لیے بہترین موتی تھیں۔ اگر آپؐ نہ تو ان کو مل چکے ہیں
آپؐ اپنے بچوں کو بھیجے اس فائل بتائیں گے کہ وہ انہیں خیر سے ملوں، پانچ سو دو سو اور
طاقتور و محنت مند مسلمانوں سے ساتھ محنت سے محنت و مددوں کے یہ جو کوئی تھیں۔

اس لیے براہِ فرما کے مجھے سچا تمہیں اپنی لاشوں میں آئی سمجھو۔ یہ سب اللہ تعالیٰ کا کام
میں آرقہ م شایع۔ اللہ آپؐ کو مدد کرے گا اور آکھانے والی سب سے آپؐ کی محنت سے
قائد و انعام میں ملی اور اللہ تعالیٰ جل شانہ عیاست کے یہ آپؐ کو امت کی ریت کا پورا پورا
بجرو دیکھ کر مر رہے ہیں

انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۱) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

یہ بات کہ انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۲) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

اس بات سے واضح ہے کہ انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۳) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

اس بات سے واضح ہے کہ انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۴) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

اس بات سے واضح ہے کہ انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۵) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

اس بات سے واضح ہے کہ انسان کی زندگی میں جو چیزیں ہیں وہ سب اس کے لئے مفید ہیں۔ لیکن جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مضر ہیں وہ اس کے لئے مضر ہیں۔ (۶) ایک اور قول ہے کہ جو چیزیں ہیں جو اس کے لئے مفید ہیں وہ اس کے لئے مفید ہیں۔

[illegible]

[The page contains several lines of handwritten musical notation, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

1. The first part of the document discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes the need for a systematic approach to record-keeping, such as using a ledger or accounting software, to ensure that all financial data is properly documented and organized.

2. The second part of the document focuses on the importance of regular financial statements, such as the balance sheet, income statement, and cash flow statement. It explains how these statements provide a clear picture of the company's financial health and performance, allowing management to make informed decisions about the future of the business.

3. The third part of the document discusses the importance of budgeting and financial planning. It explains how a well-defined budget can help management allocate resources effectively, control costs, and achieve the company's financial goals. It also emphasizes the need for regular monitoring and adjustment of the budget to reflect changes in the business environment.

4. The fourth part of the document discusses the importance of financial reporting and transparency. It explains how accurate and timely financial reports are essential for building trust with investors, creditors, and other stakeholders. It also emphasizes the need for a strong internal control system to ensure the integrity of the financial data.

5. The fifth part of the document discusses the importance of financial risk management. It explains how various financial risks, such as currency fluctuations, interest rate changes, and credit defaults, can impact the company's financial performance. It emphasizes the need for a proactive approach to risk management, including the use of financial instruments and hedging strategies to mitigate potential losses.

6. The sixth part of the document discusses the importance of financial innovation and technology. It explains how the use of modern financial technologies, such as blockchain, artificial intelligence, and cloud computing, can improve the efficiency and accuracy of financial operations. It also emphasizes the need for ongoing investment in research and development to stay ahead of the curve in the rapidly evolving financial landscape.

7. The seventh part of the document discusses the importance of financial ethics and compliance. It explains how adherence to ethical standards and regulatory requirements is essential for maintaining the company's reputation and avoiding legal penalties. It emphasizes the need for a strong corporate governance framework and a culture of integrity throughout the organization.

8. The eighth part of the document discusses the importance of financial sustainability and long-term growth. It explains how a focus on sustainable financial practices, such as reducing debt, improving cash flow, and investing in research and development, can lead to long-term success and growth for the company. It also emphasizes the need for a clear vision and strategic plan to guide the company's financial journey.

9. The ninth part of the document discusses the importance of financial communication and stakeholder engagement. It explains how effective communication with investors, creditors, and other stakeholders is essential for building a strong financial relationship and ensuring the company's financial success. It emphasizes the need for a clear and consistent message about the company's financial performance and future prospects.

10. The tenth part of the document discusses the importance of financial innovation and technology. It explains how the use of modern financial technologies, such as blockchain, artificial intelligence, and cloud computing, can improve the efficiency and accuracy of financial operations. It also emphasizes the need for ongoing investment in research and development to stay ahead of the curve in the rapidly evolving financial landscape.

[illegible]

میں نے سوچا کہ اگر میں اس کے پاس جاؤں تو کیا ہوگا؟

۵۔ کچھ کے غرضاتی پہلوں میں پوچھا یہ کہ

۶۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۷۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۸۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۹۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۰۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۱۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۲۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۳۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۴۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۵۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۶۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۷۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۸۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۱۹۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۲۰۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۲۱۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۲۲۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

۲۳۔ میں نے اس کے ساتھ ساتھ چلا گیا۔

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial v^j} \right) = \frac{\partial L}{\partial x^j}$

[illegible][illegible]
$$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$$
$$- \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = \frac{1}{2} \frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right)$$

— ۱۰۰ —

$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\rho} \right) = - \frac{1}{\rho^2} \frac{d\rho}{dt}$

[illegible]
$$\lim_{n \rightarrow \infty} \frac{1}{n} \sum_{i=1}^n f(x_i) = \int_a^b f(x) dx \quad (2)$$

✓ $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$ ✓ $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

$$\bullet \quad x_1 = 0, \quad x_2 = 0, \quad x_3 = 0, \quad x_4 = 0, \quad x_5 = 0, \quad x_6 = 0, \quad x_7 = 0, \quad x_8 = 0, \quad x_9 = 0, \quad x_{10} = 0$$

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

Journal of Management Education 30(6)

$$= \frac{1}{\sqrt{\pi}} \int_{-\infty}^{\infty} e^{-t^2} dt = 1$$

Journal of Management Inquiry 18(6)p. 709-724
© The Author(s) 2009. Reprints and permissions:
<http://www.sagepub.com/journalsPermissions.nav>

[illegible]

● اور ایک روایت یہ ہے کہ "سُحُفٌ" شے ہے۔

$\Delta \frac{d}{dt} = \frac{d}{dt} - \frac{d}{dt}$

[illegible][illegible]

۱۔ یہ سب باتیں سنا کر اس نے سجدہ کیا اور کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۲۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۳۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۴۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۵۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۶۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۷۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۸۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۹۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔
 ۱۰۔ یہ سب باتیں سن کر اس نے کہا کہ میں تم پر ایمان لایا کرتا تھا۔

[illegible]

۱۔ "سماں" وہ طائرہ رہیں گے جو تشریف لے جاتے ہیں۔

۲۔ "میں نے وقت مناسب دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۳۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۴۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۵۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۶۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۷۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۸۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۹۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۰۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۱۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۲۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۳۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۴۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۵۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۶۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۷۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۸۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۱۹۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۲۰۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۲۱۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

۲۲۔ "میں نے یہ دیکھا تھا کہ میں جوں جوں جاتا ہوں۔"

قریب قریب ایک جہت آئی تو اسے کھینچ کر دھکیلتے رہے۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔

یہ قدرتی طور پر ممکن ہے کہ اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے

۴۔ ایک طرف سے

اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے

اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے

اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے
 اس کی ہڈیوں میں درد ہونے لگا۔ یہاں تک کہ ایک طرف سے

$\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$
 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$
 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$

تاریخ ۱۳۰۲ هجری قمری
محل وقوع ۱۳۰۲ هجری قمری
محل وقوع ۱۳۰۲ هجری قمری

[illegible]

۱- در صورتی که در یک سال دو بار در یک منطقه (میدان) آلودگی رخ دهد، در آن منطقه (میدان) یک بار در آن سال آلودگی رخ داده است.
 ۲- در صورتی که در یک سال دو بار در یک منطقه (میدان) آلودگی رخ دهد، در آن منطقه (میدان) یک بار در آن سال آلودگی رخ داده است.
 ۳- در صورتی که در یک سال دو بار در یک منطقه (میدان) آلودگی رخ دهد، در آن منطقه (میدان) یک بار در آن سال آلودگی رخ داده است.

[illegible]

پہلی طرح موت سے ڈرتا ہے۔

جیسا کہ پہلے بیان کیے ہیں کہ اسلام نے ماریٹین سٹیل سے ان کو اجازت دی ہے کہ وہ اپنے والدین کے ساتھ رہیں اور ان کے ساتھ رہیں اور ان کے ساتھ رہیں۔
 تاکہ ماریٹین اسلام کے خلاف تھیں اور ان کے خلاف تھیں۔
 یہی ہے کہ اپنے چوتھے گناہیں، انہیں ماریٹین کے لیے ہیں۔

ماریٹین اس وقت سے نہیں ہوتی چاہے وہ نہ تھیں اور ان کے خلاف تھیں۔
 طے ہے کہ آواز ہے کہ

۲۔ ماریٹین کے لیے اس طرح سے ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ضرورت ہے کہ ماریٹین کے خلاف تھیں۔

۳۔ ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔

۴۔ ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔
 ماریٹین کے خلاف تھیں۔

۵۔ ماریٹین کے خلاف تھیں۔

تربیت سے متعلق چند ضروری تجویز

یہاں دامن سے اسے تے سے قطع کرنا کی گمان نہیں ہے بلکہ یہ

طاہر ہونا ہے نہ تہا

۱۔ بچے کو صحت مند بنانا چاہیے۔

۲۔ طبیعت کو درست کرنا چاہیے۔

۳۔ اچھے عادات بنانا چاہیے۔

۴۔ علم کو فروغ دینا چاہیے۔

۵۔ دماغ کو تیز کرنا چاہیے۔

۶۔ اچھے دوستوں سے ملنا چاہیے۔

۷۔ اچھے اساتذہ سے ملنا چاہیے۔

۸۔ بچہ کو صحت مند بنانا چاہیے۔

۹۔ علم کو فروغ دینا چاہیے۔

۱۰۔ اچھے دوستوں سے ملنا چاہیے۔

۱۱۔ اچھے اساتذہ سے ملنا چاہیے۔

۱۲۔ بچہ کو صحت مند بنانا چاہیے۔

(۱) بچے کی طبیعت کو درست کرنا چاہیے۔

۱۳۔ اچھے دوستوں سے ملنا چاہیے۔

پہلے ہی میں تھی۔ مگر یہ سب کچھ مجھے یاد ہے۔ مگر میں نے اس وقت کو نہیں
 یاد کیا۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے کہ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔

میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔

میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔

میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔

میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔
 میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔ میں نے اس وقت کو یاد کیا ہے۔

۵) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۶) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۷) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۸) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۹) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۰) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۱) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۲) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۳) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۴) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۵) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۶) یہ ہے کہ ہم نے خود اپنے لیے جو کچھ چاہا ہے
 اسے حاصل کیا ہے۔

۱۰۔ اس روایت میں سنائی دیتا ہے کہ بچے سے مسکراہٹ گئے ساتھ ساتھ
 ۱۱۔ بچے نے گھبراہٹ سے بچنے کی کوشش کی اور کہا کہ میں اس سے بچ رہا ہوں۔
 ۱۲۔ اس وقت ان کی حالت تھی کہ وہ اپنے گھر میں بیٹھے تھے اور اس سے
 ۱۳۔ بہت شگفتہ تھے اور کہتے تھے۔

۱۴۔ بچے نے کہا کہ میں اس سے بچ رہا ہوں۔
 ۱۵۔ بچے کی حالت تھی کہ وہ اپنے گھر میں بیٹھے تھے اور اس سے
 ۱۶۔ بہت شگفتہ تھے اور کہتے تھے۔

۱۷۔ اس کی بھی خبر ہے کہ وہ اپنے گھر میں بیٹھے تھے اور اس سے
 ۱۸۔ بہت شگفتہ تھے اور کہتے تھے۔

۱۹۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۰۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۱۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۲۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۳۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۴۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۵۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۶۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۷۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۸۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۲۹۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔
 ۳۰۔ آپ چاہیں کہ آپ اپنے آپ سے بات کریں۔

(۵) چھپنے کے لئے مقرر کر کے اس کے مطابق چھپیں

چھپنے کے لئے مقرر کر کے اس کے مطابق چھپیں
 اس کا طریقہ یہ ہے کہ اس کے مطابق چھپیں

میں بخیر و کمال سے کام لے رہا تھا۔ آپ نے اسے سہارا دیا اور اسے
تاریک میں سے مٹا دیا۔

آپ نے اسے وقت دیا اور اسے اپنا پاپا سے

بہتر بنائی۔ آپ نے اسے کہا کہ جب آپ کو آپ کا پاپا دیکھو، یہاں وہ اللہ کا
سے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

الحمد لله الذي احيانا بعد من اصابه الموت

تو آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔
اس کی طرف سے اس کا پاپا دیکھو۔

آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔
تو آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔
تو آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

اس نے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔
تو آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔ آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔
تو آپ نے اسے اس کا پاپا دیکھو۔

۱۔ اور شہر و دیہات میں ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۲۔ پنجوں کے گھر میں ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۳۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۴۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۵۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۶۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۷۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۸۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۹۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۰۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۱۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۲۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۳۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۴۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۵۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۶۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۷۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۸۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

۱۹۔ توبہ کی روایت ہے کہ ہر گھر میں ایک ایک توبہ کی روایت ہے۔

میں بالکل پہنچا ہوا ہے۔ میں نے یہی بات مریدوں سے فرمائی ہے۔ یہاں تک کہ
 اللہ برکت والا ہو۔ اسی لیے ماکا میں سب سے خوش خوشی ہے۔
 قریب ہی ایک مقام ہے اسی نام سے ہے۔ یہاں تک کہ
 یہاں تک کہ اس کے بعد چل کر وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ
 یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

اما اس وقت تک پہنچنے کے واسطے یہاں تک

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔
 یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔
 یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔ یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

یہاں تک کہ وہاں تک پہنچے۔

ہر ایک پر اور سوائے تاریخ کے متعلق ہی۔ میں نہیں سمجھتا کہ اس کا ہر ایک
 "سائنس کی کتاب میں قائم نہ ہو۔"

یہی فکر کھینچتا رہا جو کچھ میں نے اپنی کتاب کے مطالعے میں دیکھا۔ یہاں پر وہ
 "میں نے مطالعہ کیا ہے اور یہی وہ ہے جو میں نے مطالعہ کیا ہے۔" اس کا ہر ایک
 "میں نے۔" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"
 "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

معیاری ہر ایک رسالہ کا ترجمہ کرتے ہیں

نہ اس میں "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

وہ "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

(۷) میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

میں نے "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے" اس کا ہر ایک "میں نے"

[illegible]

تجربہ کے لئے اس طرح ہے۔ تم لوگوں کا مطالعہ کر کے تمہارے لئے
 میں نے کچھ باتیں کہی ہیں جو کہ تمہارے لئے بہت ہی
 اچھے اور نفع دہک ہیں۔ ان باتوں کو تمہاری زندگی میں
 لانا چاہئے۔

(۸) بیٹے، باپ اور مسماں کے ذوالے سے۔ مسماں کی محبت سے۔

یہ لڑکے بڑے ہی دلکش تھے۔ ان کی پیشانیوں پر ہر لمحہ مسکراہٹ تھی۔

[illegible]

(۱۰) سچے دل سے پیار کرنا اور سچے دل سے پیار کرنا۔

[illegible]

۱۔ سپریم کورٹ میں درخواستیں دائر کرنے کے لیے اس کی تاریخیں مقرر ہیں۔

۲۔ اپنے تئیں - پرانی شے چھپاؤں - دھماکوں - شعلوں
میں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں -
شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں -
دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں -
شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں -
دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں -
شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں -
دھماکوں - شعلوں - دھماکوں - شعلوں - دھماکوں -

تاریخ: ۱۳۹۵/۰۵/۰۵

بچوں میں بگاڑ کے اسباب اور ان کا علاج

بچوں میں بگاڑ کے اسباب اور ان کا علاج

(۱۱)

بچوں میں بگاڑ کے اسباب اور ان کا علاج

بچوں میں بگاڑ کے اسباب اور ان کا علاج

۱. در صورتی که در یک سال گذشته، هیچ‌یک از این موارد را تجربه نکرده‌اید، به مرحله بعدی بروید.
 ۲. اگر در یک سال گذشته، یکی از این موارد را تجربه کرده‌اید، به مرحله بعدی بروید.
 ۳. اگر در یک سال گذشته، بیش از یک مورد از این موارد را تجربه کرده‌اید، به مرحله بعدی بروید.

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$
 $\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{y}} \right) = \frac{\partial L}{\partial y}$
 $\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{z}} \right) = \frac{\partial L}{\partial z}$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$
 2. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{8}$
 3. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{16}$
 4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{16}$
 5. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{32}$
 6. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8} = \frac{1}{64}$
 7. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{32}$
 8. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{64}$
 9. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16} = \frac{1}{128}$
 10. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{64}$
 11. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{128}$
 12. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{32} = \frac{1}{256}$
 13. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{128}$
 14. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{256}$
 15. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{64} = \frac{1}{512}$
 16. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{256}$
 17. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{512}$
 18. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{128} = \frac{1}{1024}$
 19. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{512}$
 20. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{1024}$
 21. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{256} = \frac{1}{2048}$
 22. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{1024}$
 23. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{2048}$
 24. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{512} = \frac{1}{4096}$
 25. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{512}$
 26. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{2048}$
 27. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1024} = \frac{1}{4096}$
 28. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{1024}$
 29. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{2048}$
 30. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2048} = \frac{1}{4096}$
 31. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{2048}$
 32. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{4096}$
 33. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{4096} = \frac{1}{8192}$
 34. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{4096}$
 35. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{8192}$
 36. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8192} = \frac{1}{16384}$
 37. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{8192}$
 38. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{16384}$
 39. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16384} = \frac{1}{32768}$
 40. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{16384}$
 41. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{32768}$
 42. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{32768} = \frac{1}{65536}$
 43. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{32768}$
 44. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{65536}$
 45. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{65536} = \frac{1}{131072}$
 46. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{65536}$
 47. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{131072}$
 48. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{131072} = \frac{1}{262144}$
 49. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{131072}$
 50. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{262144}$
 51. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{262144} = \frac{1}{524288}$
 52. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{262144}$
 53. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{524288}$
 54. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{524288} = \frac{1}{1048576}$
 55. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{524288}$
 56. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{1048576}$
 57. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1048576} = \frac{1}{2097152}$
 58. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{1048576}$
 59. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{2097152}$
 60. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2097152} = \frac{1}{4194304}$
 61. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{2097152}$
 62. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{4194304}$
 63. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{4194304} = \frac{1}{8388608}$
 64. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{4194304}$
 65. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{8388608}$
 66. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{8388608} = \frac{1}{16777216}$
 67. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{8388608}$
 68. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{16777216}$
 69. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{16777216} = \frac{1}{33554432}$
 70. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{16777216}$
 71. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{33554432}$
 72. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{33554432} = \frac{1}{67108864}$
 73. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{33554432}$
 74. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{67108864}$
 75. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{67108864} = \frac{1}{134217728}$
 76. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{67108864}$
 77. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{134217728}$
 78. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{134217728} = \frac{1}{268435456}$
 79. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{134217728}$
 80. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{268435456}$
 81. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{268435456} = \frac{1}{536870912}$
 82. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{268435456}$
 83. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{536870912}$
 84. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{536870912} = \frac{1}{1073741824}$
 85. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{536870912}$
 86. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{1073741824}$
 87. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{1073741824} = \frac{1}{2147483648}$
 88. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{1073741824}$
 89. $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{2147483648}$
 90. $\frac{1}{8} \times \frac{1}{2147483648} = \frac{1}{4294967296}$
 91. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{4294967296} = \frac{1$

نرم مزاجی، شفقت اور رحم دلی کا مظاہرہ کریں، تاکہ اولاد کی صحیح تربیت ہو سکے۔ ان میں جرأت اور خود اعتمادی پیدا ہو اور وہ یہ محسوس کریں کہ وہ قابل احترام شخصیت اور عزت و حیثیت کے مالک ہیں۔

(۷) بچوں کا جنس اور جراثیم پر مشتمل فلمیں دیکھنا:

بچوں کے خراب ہونے کا سب سے بڑا ذریعہ جوان کو بد کرداری اور بد اخلاقی کا عادی بنانا ہے اور پھر ماضی زندگی کی طرف لے جانے کا سبب بنتا ہے، اس لیے ٹیلی ویژن اور ٹیوشن پر حیا سوز مناظر پر مشتمل فلمیں اور گندے مناظر، اسی طرح وہ رسالے اور کتابیں جو جنسی واقعات اور شہوت انگیز قصوں پر مشتمل ہوتی ہیں۔ ان سب کو منعقد، شہوت کو بھڑکانا اور جرم پر آمادہ کرنا ہوتا ہے۔ ان سے تو بڑوں کے اخلاق بھی خراب ہو جاتے ہیں، بچے تو پھر بچے ہوتے ہیں۔

ابوالدین کی یہ ذمہ داری ہے کہ وہ بچوں کو جنسی من عمر، مروجہ اور مجرموں کو بے حرمتی کرنے والی فلمیں دیکھنے سے روکیں، اور اسی طرح ان کو گندے رسالوں، مشق و محبت سے بھرے ہوئے ناولوں اور کلمہ والی اسے بھری ہوئی کتابیں خریدنے اور پڑھنے سے باز رکھیں۔

(۸) بچوں کی تربیت سے گناہ کشی:

والدین کا بچہ کی تربیت سے لائق ہونا اور ان کی تربیت کی طرف توجہ نہ دینا بھی بچوں کو خراب کرنے اور ان کے اخلاق کے بگڑنے کا ایک بڑا ذریعہ ہے۔

باپ کی طرح ماں بھی تربیت کی ذمہ دار اور نگران ہے، بلکہ ماں کی ذمہ داری زیادہ اہم اور ضرورت ناک ہے۔ اس لیے کہ ماں ولادت سے جوان ہونے تک بچے کے ساتھ رہتی ہے اور اس وقت تک اس کی پرورش کرتی رہتی ہے جب تک وہ اپنے باپوں پر کھڑے ہو کر

معاشرے کا ذمہ دار شخص نہ بن جائے۔ اسی لیے رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے ذمہ دار کی حیثیت سے ماں کا مشغلہ نہ کروایا ہے۔ فرمایا:

”وَالْأُمُّ رَاحِيَةٌ هِيَ رِيَتْ وَوَجَّهًا، وَمَسْئُولَةٌ عَنْ رَعِيَّتِهَا۔“^۱

”ماں اپنے شوہر کے گھر کی رکھوالی ہے اور اس سے اس کی رعایا کے بارے میں پوچھا جائے گا۔“

اگر ماں بچوں کی تربیت کے حوالے سے اپنے فرائض میں کوتاہی کرے گی اور اپنی مسئولیتوں و ذمہ داریوں کو اچھا نہ چلے جائے گی دینی اور باپ بچوں کی تربیت اور دیگر بھال کے مسئلے میں اپنی ذمہ داری ادا نہیں کرے گا اور اپنا قریح وقت گھومنے پھرنے، دوستوں کے ساتھ گپ ہنسی لگنے اور چالے و سگریت میں مشغول کر دے گا تو بچوں کی تربیت قیامت کی طرح ہوگی۔ وہ آوارہ بچوں کی طرح گھومے پھریں گے اور اپنی مسئولیت چھوڑ کر رہ جائے گی۔

(۹) - تنہا ہو کر:

کوئی تنہا بچہ اگر اپنے سر پر شفقت کا ہاتھ پھیرے گا اور رحم کرے گا اور اس کے والدین نہ پائے اور اپنے بچوں کی چاہدہ سے اسے بہرہ اندہ نہ دے گا تو اس کی دیگر بھال نہ ہو تو اس کا اپنی اثر یہ ہوگا کہ یہ تنہا بچہ آہستہ آہستہ مجرمانہ زندگی کی پادشاہی اختیار کرے گا۔

اس لیے تنہا بچہ کی دیگر بھال کرنے والوں اور رشتہ داروں کو یہ حکم دیا ہے کہ اس کے ساتھ اپنا ہاتھ نہ لگائیں اور اس کی گفتگو کی ذمہ داری اچھے طریقے سے پوری کریں تاکہ وہ انہی تربیت حاصل کرے جس میں اچھے اخلاقی پیدا ہوں اور وہ معاشرے کا بیکار نہ بنے۔

۱۔ صحیح بخاری، کتاب النکاح، ج ۱، ص ۸۴

بچے کے گھرنے اور خراب ہونے کے یہ اہم بنیادی اسباب ہیں۔ اگر والدین نے ان اسباب کا خاتمہ نہ کیا اور اسلام سے اصلاح و تربیت کے لیے جو مفید اور موثر مارج مقرر کیا ہے اسے اختیار نہ کیا تو بچوں کی تربیت نہ ہو سکے گی اور وہ بد اخلاقی و بدتمیزی کے عادی ہو جائیں گے۔ پھر انہیں راہ راست پر لانا اور حق بات سمجھانا نہایت مشکل ہو جائے گا۔ اس لیے والدین کو چاہیے کہ اولاد کی تربیت اور ان کو مہذب و شائستہ بنانے کے لیے اسلام کے بتائے ہوئے طریقوں کو اپنا لیں تاکہ ان کی اولاد اللہ کا حکم پہلے سے ہی فرشتوں کی طرح مان جائے اور اخلاق و فعل میں دوسروں کے لیے بہترین نمونہ ہو۔ اللہ تعالیٰ کے لیے یہ کچھ بھی مشکل نہیں ہے بشرطیکہ ہم اپنی محنت اور کوشش میں کمی نہ چھوڑیں اور اللہ کے دربار سے اپنی اولاد کے حق میں خیر کے فیصلے کروانے کے لیے دل موڑی کے ساتھ دعا کرتے رہیں۔

اللہ تعالیٰ ہماری اور ہمارے تربیت یافتہ اولاد کی عبادتی و باطنی اصلاح فرمائے۔ ہماری اولاد شاگردوں اور متعلمین کو ہماری آنکھوں کی مانند بنائے اور ہم سب کو دنیا و آخرت کی عبادتی و باطنی ترقی و کامیابی نصیب فرمائے۔ آمین

وَ اَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الْغَلْطِ